WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

सौम्या टंडन छोड़ रहीं भाबी जी घर पर हैं शोटीवी शो

वर्षः 01 अंक : 241 | लखनऊ, शुक्रवार, 21 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

देश में कोरोना के रिकार्ड करीब 70 हजार नये मामले, संक्रमितों का आंकड़ा 28.36 लाख

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण के एक दिन में रिकार्ड करीब 70 हजार नये मामले सामने आये जिससे संक्रमितों की संख्या 28.36 लाख से अधिक हो गयी हालांकि इसी अवधि में 58 हजार से अधिक मरीज स्वस्थ भी हुए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 69,652 नये मामले सामने आये तथा 977 लोगों की इस बीमारी से मौत हो गयी। नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 28,36,925 हो गया जबकि मृतकों की संख्या 53,866 हो गयी। इस दौरान 58,793 मरीज स्वस्थ हुए , जिन्हें विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दे दी गयी। अब तक 20,96,664 लोग कोरोना मुक्त हो चुके हैं। संक्रमितों की संख्या में इजाफा होने के साथ सक्रिय मामलों की संख्या 9881 बढ़ी है।

देश में अभी सक्रिय मामलों की संख्या 6,86,395 है। देश में सक्रिय मामले 24.20 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 73.91 प्रतिशत है जबकि

मृतकों की दर 1.90 प्रतिशत है। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 3808 बढ़कर 1,60,728 हो गयी तथा 346 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 21,033 हो गया। इस दौरान 9011 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,46,881 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में मरीजों की संख्या 1595 बढ़ने से सक्रिय मामले 86,725 हो गये। राज्य में अब तक 2906 लोगों की मौत हुई है, वहीं 8061 लोगों के स्वस्थ होने से कुल 2,26,372 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या 1315 बढ़ी है और यहां अब 81,113 सक्रिय मामले हैं। मरने वालों का आंकड़ा 126 बढ़कर 4327 पर पहुंच गया है। राज्य में अब तक 1,64,150 लोग स्वस्थ हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 705 घटकर 53,155 हो गये हैं तथा 6123 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में अब तक 296171 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान 597 मरीज कम हुए हैं जिससे सक्रिय मामले 49,645 हो गये हैं तथा इस महामारी से 2638 लोगों की मौत हुई है जबकि 1,15,227 मरीज ठीक हुए हैं।

बिहार में 1146 मरीज कम हुए हैं और अब यहां सक्रिय मामलों की संख्या 27,546 हो गयी है। राज्य में 487 लोगों की मौत हुई है जबकि 84,404 लोग संक्रमणमुक्त भी हुए हैं। देश के पूर्वी राज्य पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के 27,678 सक्रिय मामले हैं तथा 2581 लोगों की मौत हुई है, वहीं अब तक 95,663 लोग स्वस्थ हुए हैं। तेलंगाना में कोरोना के 21,509 सक्रिय मामले हैं और 729 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 75,186 लोग इस महामारी से ठीक हुए है। गुजरात में सक्रिय मामले 14,282 हैं तथा 2837 लोगों की मौत हुई है। राज्य में 64,823 लोग इस बीमारी से स्वस्थ भी हुए हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामले की तादाद में 69 की वृद्धि होने से यह संख्या 11,137 हो गये हैं। वहीं संक्रमण के कारण मरने वालों की संख्या 4235 हो गयी है तथा अब तक 1,40,767 मरीज रोगमुक्त हुए हैं। कोरोना महामारी से अब तक मध्य प्रदेश में 1159, पंजाब में भी 921, राजस्थान में 910, जम्मू-कश्मीर में 572, हरियाणा में 567, ओडिशा में 372, झारखंड में 277, असम में 213, केरल में 182, उत्तराखंड में 178, छत्तीसगढ़ में 161, पुडुचेरी में 129, गोवा में 124, त्रिपुरा में 65, चंडीगढ़ में 31, अंडमान निकोबार द्वीप समूह में 30, हिमाचल प्रदेश में 19, मणिपुर और लद्दाख में 18-18, नागालैंड में आठ, मेघालय में छह, अरुणाचल प्रदेश में पांच, सिक्किम में तीन तथा दादर-नागर हवेली एवं दमन-दीव में दो लोगों की मौत हुई है।

धोनी नए भारत के महत्वपूर्ण हस्ताक्षरों में से एक: मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पत्र लिखकर उनके योगदान को सराहते हुए कहा है कि वह नए भारत के महत्वपूर्ण हस्ताक्षरों में से एक हैं। धोनी ने इसके लिए श्री मोदी का आभार व्यक्त किया है। भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक धोनी ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के दिन शाम सात बज कर 29 मिनट पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। प्रधानमंत्री ने बुधवार को धोनी को लिखे दो पेज के पत्र में पूर्व कप्तान को भावुक संदेश दिया और भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान को सराहा। पूर्व भारतीय कप्तान ने गुरूवार को प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। श्री मोदी ने न केवल धोनी की क्रिकेट मैदान पर उनकी उपलब्धियों के लिए सराहना की बल्कि उन्होंने भारत और विश्व में खेलों के लिए जो किया उसे भी सराहा। उन्होंने कहा, आपने अपने ही अंदाज में वीडियो जारी कर संन्यास की घोषणा की जो पूरे देश में जबरदस्त चर्चा का विषय बन गया। हालांकि 130 करोड़ भारतीय इससे निराश जरूर हुए लेकिन वे सभी दिल से आपके आभारी हैं जो आपने डेढ़ दशक में भारतीय क्रिकेट के लिए किया है। धोनी ने भी प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए ट्वीट कर कहा, कलाकार, सैनिक और खिलाड़ी... सराहना के लिए क्या यादगार शब्द हैं जिससे पता चलता है कि आपकी कड़ी मेहनत और बलिदान को देखा गया है और सराहा गया है। धन्यवाद प्रधानमंत्री जी आपकी सराहना और शुभकामनाओं के लिए। भारत को अपनी कप्तानी में दो विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी तथा नंबर एक टेस्ट रैंकिंग दिलाने वाले धोनी ने 15 अगस्त को संन्यास की घोषणा कर अपने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने 2007 में टी-20 विश्व कप, 2011 में एकदिवसीय विश्व कप और 2013 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती और टीम इंडिया को 600 दिनों तक टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक रखा।

इंदौर को स्वच्छता का ताज, सूरत दूसरे,नवी मुंबई तीसरे स्थान पर

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार के साफ सफाई को लेकर किये गये राष्ट्रीय स्तर के 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2020' में मध्यप्रदेश के इंदौर को लगातार चौथी बार प्रथम, गुजरात के सूरत को द्वितीय और महाराष्ट्र के नवी मुंबई को तृतीय स्थान पर घोषित किया है। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्यमंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरूवार को यहां स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 के परिणाम घोषित करते हुए कहा कि देश में स्वच्छता के प्रति जागरुकता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और स्वच्छ भारत अभियान का असर पूरे देश में दिखायी दे रहा है। स्वच्छता सर्वेक्षण में लगातार चौथे वर्ष इंदौर प्रथम स्थान बना रहा। औद्योगिक शहर सूरत को दूसरा और नवी मुंबई को तीसरा स्थान मिला है। मई में घोषित की गयी कचरा मुक्त

शहरों के आकलन में इंदौर, सूरत और नवी मुंबई को पांच सितारा रेटिंग दी गयी थी। बिहार की राजधानी पटना शहर स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 में सबसे निचले स्थान पर है। इससे ऊपर पूर्वी दिल्ली नगर निगम क्षेत्र और चेन्नई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी को गंगा नदी के किनारे सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया। छावनी शहरों में जालंधर छावनी को प्रथम स्थान का गौरव हासिल हुआ। सर्वेक्षण में 100 से ज्यादा शहरों वाले राज्य में सबसे स्वच्छ छत्तीसगढ़ और 100 से कम शहरों वाले राज्य में सबसे स्वच्छ झारखंड को घोषित किया गया। स्वच्छता सर्वेक्षण के पहले संस्करण में देश का सबसे स्वच्छ शहर मैसुरू को घोषित किया था। इसके बाद लगातार तीन साल 2017, 2018 और 2019 में इंदौर शहर सबसे स्वच्छ रहा है। श्री पुरी ने विजेता शहरों को बधाई को देते हुए कहा कि इससे स्थानीय लोगों के स्वच्छता के प्रति समर्पण का संकेत मिलता है। उन्होंने इस अवसर पर विजेता शहरों के स्थानीय अधिकारियों को पुरस्कृत भी किया।

सुशांत राजपूत मामले में सीबीआई को सहयोग करेगी महाराष्ट्र सरकार: पवार

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार ने गुरुवार को कहा कि महाराष्ट्र सरकार सुशांत सिंह राजपूत मामले की जांच में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को पूरा सहयोग देगी। श्री पवार ने यह भी कहा कि सीबीआई द्वारा सुशांत मामले की जांच उस तरह से नहीं की जानी चाहिए जैसा नरेंद्र दाबोलकर हत्या मामले में किया गया था। उन्होंने कहा कि मैं सुनिश्चित हूं कि महाराष्ट्र सरकार सुशांत सिंह राजपूत मामले की जांच का काम सीबीआई को सौंपने के संबंध में उच्चतम न्यायालय के फैसले का सम्मान करेगी और जांच प्रक्रिया में पूरा सहयोग देगी। उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत ने बुधवार को सुशांत मामले की जांच मुंबई पुलिस के हाथ से लेकर सीबीआई को सौंपे जाने संबंधी बिहार सरकार की अपील मंजूर कर ली थी।

एनडीएमसी को क्लीनेस्ट कैपिटल सिटी का राष्ट्रीय पुरस्कार

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार के साफ सफाई को लेकर किये गये राष्ट्रीय स्तर के 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2020' में नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) को सबसे स्वच्छ राजधानी शहरों की श्रेणी में सर्वप्रथम घोषित किया गया और सभी राज्य राजधानी और केंद्रशासित प्रदेशों के बीच सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली राजधानी क्लीनेस्ट कैपिटल सिटी घोषित किया गया। परिषद के अध्यक्ष धर्मेन्द्र ने इस उपलब्धि के लिये माननीय आवासन एवं शहरी मामलों के राज्यमंत्री हरदीप सिंह पुरी द्वारा पुरस्कार ग्रहण किया। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्यमंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरूवार को यहां स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 के परिणाम घोषित करते हुए कहा कि देश में स्वच्छता के प्रति जागरुकता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और स्वच्छ भारत अभियान का असर पूरे देश में दिखायी दे रहा है। परिषद को राष्ट्रीय स्वच्छता पुरस्कार श्रेणियों में खुले में शौच से मुक्ति (ओडीएफ) के लिये ओडीएफ स्टेटस और कूड़ा मुक्त शहरों की रैंकिंग में 3 स्टार गारबेज फ्री सिटी रैंकिंग पहले से ही मिली हुई हैं। श्री धर्मेन्द्र ने इस अवसर पर एनडीएमसी के समस्त कर्मचारियों को और विशेष रूप से सफाई सेवकों को बधाई देते हुए, कहा है कि यह स्वच्छता पुरस्कार और रैंकिंग प्राप्त करने का श्रेय सम्पूर्ण टीम एनडीएमसी को जाता है लेकिन यह स्वास्थ्य विभाग के अथक प्रयासों से ही सम्भव हो पाया है। परिषद ने अपने क्षेत्र के निवासियों और आगंतुकों का इस क्षेत्र को सबसे स्वच्छ राजधानी बनाने के लिए आभार व्यक्त भी किया है।

राम मंदिर पर भूकंप, तूफान और अन्य प्राकृतिक आपदाओं का नहीं होगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण शुरू हो गया है और इंजीनियर अब इस स्थल पर मिट्टी का परीक्षण कर रहे हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ने गुरुवार को सुबह ट्वीट कर यह जानकारी दी है। मंदिर के निर्माण में देश की प्राचीन और पारंपरिक निर्माण तकनीकों का पालन किया जाएगा। मंदिर का निर्माण ऐसे किया जाएगा जिससे इस पर भूकंप, तूफान और अन्य प्राकृतिक आपदाओं का कोई असर नहीं होगा। ट्वीट करके ट्रस्ट ने बताया कि विशेष रूप से मंदिर के निर्माण में लोहे का इस्तेमाल नहीं होगा। उन्होंने बताया कि मंदिर निर्माण के लिए तांबे की प्लेटों का उपयोग करके पत्थरों को ब्लॉक किया जाएगा। प्लेटें 18 इंच लंबी, 30 मिमी चौड़ी और 3 मिमी गहराई में होनी चाहिए। कुल संरचना में 10,000 ऐसी प्लेटों की आवश्यकता हो सकती है।

सैकड़ों लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस पार्टी की नीतियों में आस्था एवं कांग्रेस नेतृत्व के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए आज यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में जनपद लखनऊ के सैकड़ों लोगों ने प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष वीरेन्द्र चौधरी एवं प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी प्रशासन दिनेश सिंह के समक्ष कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने वालों में प्रमुख रूप से जनपद लखनऊ के लल्ला गुप्ता, राहुल राठौर, संतोष कुमार, मोनू, आमीन खान, श्यामदत्त तिवारी, गोपाल कुमार, श्यामलाल, असलम खान, राज कुमार गुप्ता, लवकुश गुप्ता, सुनील कुमार गौतम, राजू गुप्ता, डा0 शक्ति सिंह, आकाश रावत, शनि रावत, मोहित, रहमत अली, हर्ष कुमार, अमन बाल्मीकि, श्री प्रशान्त कुमार, अभिषेक कुमार यादव, पुष्कर कुमार, श्री आयुश कुमार, विभू, सुमित बाल्मीकि, सोनू बाल्मीकि सहित आदि सैकड़ों लोग शामिल रहे।

भारत-चीन के बीच फिर हुई कूटनीतिक वार्ता

जल्द लंबित मुद्दों के निपटारे पर बनी सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में गतिरोध लंबा खींचता जा रहा है। कई जगहों पर चीनी सेना के पूर्ववर्ती जगहों पर जाने के बावजूद कुछ जगहों पर वह अभी तक पीछे नहीं हटी है। इस बीच, भारतीय विदेश मंत्रालय गुरुवार को प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि भारत और चीन लंबित मुद्दों को जल्द निपटारे पर तैयार हैं। भारत और चीन के बीच राजनयिक वार्ताओं को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर वेस्टर्न सेक्टर में भारत और चीन ने सैनिकों के पूर्ण रूप से पीछे हटाने की दिशा में ईमानदारी से काम करने की पुष्टि की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आगे कहा, ÷उन्होंने इस बात की पुष्टि की है कि विदेश मंत्रियों के बीच हुए समझौते के तहत वेस्टर्न सेक्टर में

पूर्ण रूप से सैनिकों के हटाने की दिशा में लगातार काम करते रहेंगे। वे मौजूदा समझौतों और प्रोटोकॉल के तहत लंबित मुद्दों के जल्द निपटारे पर भी सहमत हुए। उन्होंने कहा, आज 18वीं भारत-चीन वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड को-ऑपरेशन (डब्ल्यूएमसीसी) की बैठक हुई। सीमाई इलाकों में बनी मौजूदा स्थिति को लेकर दोनों पक्षों के बीच स्पष्ट और गहन बातचीत हुई। अनुराग श्रीवास्तव ने कहा, दोनों पक्षों (भारत और चीन) के बीच यह समझौता हुआ था कि द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति, शांति की बहाली आवश्यक होगी। वे डब्ल्यूएमसीसी की बैठकों सहित चल रही बातचीत को जारी रखने पर भी सहमत हुए।

कुलभूषण मामले में राजनयिक माध्यम से पाक के संपर्क में

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान में मौत की सजा पाए भारतीय नागिरक कुलभूषण जाधव को लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि हम पाकिस्तान के साथ राजनयिक माध्यमों से संपर्क में हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान को मुख्य मुद्दों को संबोधित करने की आवश्यकता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम राजनयिक माध्यमों से पाकिस्तान के संपर्क में हैं। हम कुलभूषण जाधव मामले में अंतरराष्ट्रीय कोर्ट (आईसीजे) के फैसले के पत्र और भावना को ध्यान में रखते हुए एक स्वतंत्र और निष्पक्ष सुनवाई पर विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान को मुख्य मुद्दों को संबोधित करने की आवश्यकता है।

बढ़ती जनसंख्या चुनौती पैदा करेगी

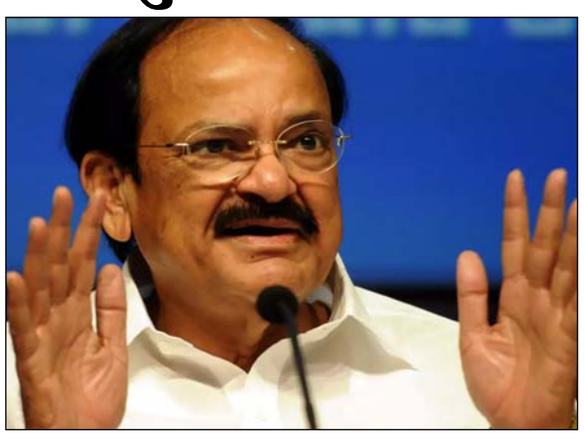

नयी दिल्ली, एजेंसी। उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने गुरूवार को कहा कि बढ़ती जनसंख्या विकास लक्ष्यों को हासिल करने में चुनौतियां पैदा करेगी और राजनीतिक दलों , जनप्रतिनिधियों तथा प्रबुद्ध लोगों को इस पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। श्री नायडू ने यहां दो रिपोर्ट भारत में जन्म के समय लिंग अनुपात और भारत में वृद्ध आबादी- स्थिति और सहयोग प्रणाली का लोकार्पण करते हुए कहा कि जनसंख्या और विकास के संबंधों की पहचान करना जरुरी है।

ये रिपोर्ट भारतीय सांसद जनसंख्या एवं विकास संगठन ने तैयार की है। आधारभूत सुविधाओं का उल्लेख करते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि विकास के मोर्चे पर देश कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। लगभग 20 प्रतिशत गरीबी और निरक्षरता में जीवन बीता रही है। उन्होंने परिवार नियोजन पर जोर देते हुए कहा कि छोटे परिवार देश के विकास में योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या की समस्या पर राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों तथा प्रबुद्ध लोगों को ध्यान देना चाहिए। उन्होंने संयुक्त परिवार प्रणाली को मजबूत करने पर बल देते हुए कहा कि यह दुनिया के लिए उदाहरण हो सकता है। उन्होंने कहा कि युवा लोगों को वृद्धों की देखभाल करनी चाहिए इससे स्वस्थ समाज बनता है। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग लोगों को नयी तकनीक से अवगत होना चाहिए जिससे वे समय के अनुरूप अपना जीवनयापन कर सके।

नौकरियां नहीं तो आरक्षण का औचित्य बताए भाजपा:कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि देश में करोड़ों लोगों के समक्ष रोजगार सबसे बड़ा संकट बन गया है और मध्य प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार आरक्षण देने की बात करती है तो उसे स्पष्ट करना चाहिए कि किस आधार पर वह लोगों को यह भरोसा दे रही है। कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने गुरुवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य के लोगों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने का जो वादा किया है वह लोकप्रियता हासिल करने की जुमलेबाजी है और इसके धरातल पर कुछ भी नहीं है। उनका कहना था कि जब नौकरियां ही नहीं है तो फिर आरक्षण की बात करने का क्या औचित्य है। श्री सिंघवी ने यह प्रतिक्रिया मध्य प्रदेश सरकार की उस घोषणा के संदर्भ में की है जिसमें श्री चौहान ने दो दिन पहले कहा था कि मध्य प्रदेश में अब सभी नौकरियां राज्य के मूल निवासियों के लिए आरक्षित होंगी और इसके लिए सरकार जल्द ही आवश्यक कानूनी बदलाव करेगी। श्री सिंघवी ने कहा कि देश में लगातार अर्थव्यवस्था गिर रही है और 2017-18 में देश की अर्थव्यवस्था एक प्रतिशत गिरी जबकि यह 2018-19 में इसमें दो प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई और 2019-20 में इसमें चार प्रतिशत गिरावत दर्ज की गयी है।

श्रद्धा और सादगी के साथ मनायी गयी राजीव गांधी की जयन्ती

लखनऊ, संवाददाता। भारत रत्न-पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 राजीव गांधी की 76वीं जयन्ती आज यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सादगी के साथ मनायी गयी। सर्वप्रथम वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने राजीव जी के चित्र पर पुष्पांजलि कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। जयन्ती कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि स्व0 राजीव गांधी युग दृष्टा थे। देश के सामने जब नेतृत्व का संकट आ पड़ा था उस समय कम उम्र में ही उन्होने देश की बागडोर संभाली और कुशल नेतृत्वकर्ता के रूप में खुद को स्थापित किया और विश्व पटल पर देश को स्थापित किया। 18 वर्ष का मताधिकार देकर जहां उन्होने राजनीतिक तौर पर युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की वहीं सत्ता का विकेन्द्रीकरण और पंचायती राज कानून बनाकर महिलाओं को सशक्त और मजबूत बनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया।

लखनऊ में ट्रिपल मर्डर से सनसनी

कमरे में बुजुर्ग दम्पत्ति की लाश मिली 50 मीटर दूर पड़ा था एक और शव

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में एक साथ तीन हत्याओं से सनसनी फैल गई है। यह वारदात निगोहां के उदयपुर गांव की है जहां एक कमरे में खून से लथपथ बुजुर्ग दम्पत्ति की लाश मिली तो वहीं 50 मीटर की दूरी पर बंद पड़े बाइक शो-रूम में एक गार्ड का भी शव मिला है। गार्ड की गर्दन पर चोट के निशान पाए गए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम की मदद ली है। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि हत्या देर रात की गई है। मारे गए दम्पत्ति की पहचान 75 वर्षीय सनेही साहू और उनकी 70 वर्षीय पत्नी रामजानकी देवी के रूप में

हुई है। सनेही साहू मूलरूप से राती गांव के रहने वाले थे। पड़ोसियों के मुताबिक करीब 12 साल पहले वह उदयपुर गांव में आकर रहने लगे थे। उन्होंने हाइवे किनारे के इस गांव में अपना मकान बना लिया था। पुलिस के मुताबिक बुधवार रात किसी ने उनकी गला रेतकर हत्या कर दी। दम्पत्ति का खून से लथपथ शव कमरे में पड़ा मिला। गुरुवार दोपहर गांववालों की नज़र उन पर पड़ी। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। गांववालों के मुताबिक पुलिस अभी दम्पत्ति हत्याकांड की जांच कर रही थी कि तभी घटनास्थल से करीब 50 मीटर दूर बंद पड़े बाइक शो-रूम में गार्ड शत्रुघन लाल का रक्तरंजित शव मिला। पुलिस ने शत्रुघन लाल के शव को भी कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस के मुताबिक शत्रुघन लाल की हत्या भी धारदार हथियार से गला काटकर की गई है। फोरेंसिक टीम ने मौके से कई सबूत जुटाए हैं। इनका परीक्षण करके कातिलों का पता लगाया जाएगा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ट्रिपल मर्डर की सूचना से हड़कम्प मच गया है।

गॉधीप्रतिमा के समक्ष फीस माफी केा लेकर पुलिस अधिकारी को ज्ञापन सौपते अभिभावक

योगी ने बाढ़ प्रभावित जनपदों के जिलाधिकारियों को बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में राहत पहुचाने के दिए निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के राहत आयुक्त संजय गोयल ने बताया कि मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित जनपदों के जिलाधिकारियों को निर्देश दिये है कि बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में राहत पहुचाने हेतु लगाई गई नौकाएं कही से भी क्षतिग्रस्त न हो और नौवहन के लिए पूर्णतया सुरक्षित हो, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि नौका परिचालन के समय उसकी क्षमता से अधिक व्यक्ति व सामान का वहन उससे न किया जा रहा हो। नौकाओं का परिचालन अनुभवी नाविकों से कराये जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को निर्देश दिये है कि प्रदूषित जलजनित व वेक्टर (मक्खी, मच्छर) जनित रोगों की रोकथाम हेतु आवश्यक कार्यवाही किया जाए एवं इन रोगों के उपचार हेतु समुचित औषधियों का पर्याप्त स्टाक भी सुनिश्चित किया जाए। कैम्प में रह रहे वृद्धों, महिलाओं तथा बच्चों की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुविधाएं व सामग्री उपलब्ध करायी जाए तथा सैनिटेशन व हाईजीन का विशेष ध्यान रखा जाए। श्री गोयल ने बाढ़ की स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि प्रदेश में वर्तमान में सभी तटबंध सुरक्षित है। बाढ़ के संबंध में निरन्तर अनुश्रवण का कार्य किया जा रहा है। कहीं भी किसी प्रकार की चिंताजनक परिस्थिति नहीं है। प्रदेश के बाढ़ प्रभावित जनपदों में सर्च एवं रेस्क्यू हेतु एन0डी0आर0एफ0 की 15 टीमें तथा एस0डी0आर0एफ0 व पी0ए0सी0 की 07 टीमें इस प्रकार कुल 22 टीमें तैनाती की गयी है। 1,107 नावें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगायी गयी है। बाढ़,अतिवृष्टि की आपदा से निपटने हेतु बचाव व राहत प्रबन्धन के सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश जारी किये जा चुके है। श्री गोयल ने बताया कि बाढ़ पीड़ित परिवारों को खाद्यान्न किट का वितरण कराया जा रहा है। इस किट में 17 प्रकार की सामग्री जिसमें 10 किलो आटा, 10 किलो चावल, 10 किलो आलू, 05 किलो लाई, 02 किलो भूना चना, 02 किलो अरहर की दाल, 500 ग्रा0 नमक, 250 ग्रा0 हल्दी, 250 ग्रा0 मिर्च, 250 ग्रा0 धनिया, 05 ली0 केरोसिन, 01 पैकेट मोमबत्ती, 01 पैकेट माचिस, 10 पैकेट बिस्कुट, 01 ली0 रिफाइन्ड तेल, 100 टेबलेट क्लोरीन एवं 02 नहाने के साबुन वितरित किये जा रहे है। उन्होंने बताया कि अब तक राहत सामग्री के अन्तर्गत 1,00,009 खाद्यान्न किट व 2,27,496 मी0 तिरपाल का वितरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि 296 मेडिकल टीम लगायी गयी है। श्री गोयल ने बताया कि बाढ की आपदा से निपटने के लिए प्रदेश में 373 बाढ़ शरणालय तथा 784 बाढ़ चौकियां स्थापित की गयी है। वर्तमान में प्रदेश के 16 जनपद (अम्बेडकरनगर, अयोध्या, आजमगढ़, बहराइच, बलिया, बाराबंकी, बस्ती, देवरिया, फर्रूखाबाद, गोण्डा, गोरखपुर, कुशीनगर, लखीमपुरखीरी, पीलीभीत, संतकबीरनगर, तथा सीतापुर) के 875 गांवों बाढ़ से प्रभावित है।

विधानसभा पर सपा का प्रदर्शन

कहा- भटक रहे पढ़े-लिखे युवा, रोजगार विनाशक है योगी सरकार

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा का सत्र आज गुरूवार से शुरू हो रहा है। वहीं समाजवादी पार्टी ने सत्र शुरू होने से पहले प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम की अगुवाई में योगी सरकार के खिलाफकई मुद्दों पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने योगी सरकार को रोजगार विनाशक सरकार बताया। प्रदर्शन कर रहे सपा नेताओं ने योगी सरकार पर तमाम तरह के आरोप लगाए। सपा नेताओं ने हाथों में तख्ति लेकर विरोध में कहा कि बीजेपी के राज में प्रदेश में जंगलराज चरम पर है। यहां रोजगार नहीं युवा भटक रहे हैं। भ्रष्टाचार का बोलबाला है। प्रदेश महामारी की मार से त्रस्त है और बीजेपी कोरोना की आड़ में लूटपाट कर रही है। आज से शुरू हुए मानसून सत्र में समाजवादी पार्टी के विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों ने प्रांगण में लगी चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के सामने सरकार विरोधी नारे लगाये और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री का घेराव किया। सपा के सदस्यों के हाथ में तख्तियां थी जिस पर सरकार विरोधी नारे लिखे थे। तख्तियों पर लिखा था कि सरकार कोरोना का प्रसार रोकने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंनें राज्य सरकार के इस्तीफे की भी मांग की। इसी बीच स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह आ गए और उन्हें सपा सदस्यों ने कुछ देर के लिये रोक लिया और उनका घेराव किया। इस दौरान विधायक हाजी इरफान सोलंकी ने स्वास्थ्य मंत्री से कानपुर आकर हालात का जायजा लेने की अपील की, जिस पर स्वास्थ्य मंत्री ने सभी को आश्वासन दिया और कार्रवाई की बात कही।

संग्रह अमीन संघ की आपात बैठक सम्पन्न

लखनऊ, संवाददाता। राजस्व संग्रह अमीन संघ उ0प्र0 की आपात बैठक कार्यवाहक प्रान्तीय अध्यक्ष समर बहादुर सिंह की अध्यक्षता में प्रान्तीय पदाधिकारियों के साथ सम्पन्न हुई। जिसमें पूर्व घोषित एजेन्डानुसार सामयिक के रुप में की गई सेवाओं को जोड़ा जाना, मूल वेतन 2000 के स्थान पर 2800 (सातवें वेतनमान में समतुल्य लेवल) प्रदान किया जाना, पदनाम परिवर्तन, पदोन्नति वेतनमान की व्यवस्था बहाल किया जाना, लेखन सामग्री, वाहन व्यय प्रतिपूर्ति भत्ता की स्वीकृति, जोखिम का पद घोषित किया जाना, जैसे अतिमहत्वपूर्ण मुद्दों पर गहनता से विचार विमर्श किया गया। संवर्ग से पदोन्नति पिछले दो वर्षो से न होने पर गहरी निराशा व्यक्त की गई बैठक में प्रान्तीय पदाधिकारियों द्वारा राजस्व परिषद द्वारा अकारण पदोन्नति जैसे अन्य मुद्दों पर ध्यान नही देने पर आक्रोश व्यक्त किया गया। वैश्विक महामारी कोरोना (कोविड-19) से हुई मौतों पर शासकीय सहायता के साथ आश्रितों को शासकीय नौकरी में लेना जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। संघ के पदाधिकारियों द्वारा एक स्वर से शासन से मांग की गई कि चूकि वर्तमान में कोरोना का संक्रमण काल चल रहा है। अस्तु आन्दोलनात्मक कार्यक्रम प्रारम्भ करना हित का नही होगा।

दिवंगत मंत्रियों और नेताओं को श्रद्धांजलि देकर शुक्रवार तक के लिये स्थगित हुई कार्यवाही

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानमण्डल के मानसून सत्र के पहले दिन गुरुवार को विधान परिषद की कार्यवाही दिवंगत मंत्रियों एवं नेताओं को श्रद्धांजलि देने के बाद शुक्रवार तक के लिये स्थगित कर दी गयी। उच्च सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे सभापति रमेश यादव की अध्यक्षता में शुरू हुई। इस दौरान प्रदेश के पूर्व मंत्री और मध्य प्रदेश के राज्यपाल लालजी टण्डन, मौजूदा सरकार की कैबिनेट मंत्री कमल रानी वरुण और चेतन चौहान के निधन पर शोक प्रस्ताव पेश किया गया। सदन के नेता एवं उप मुख्यमंत्री डॉक्टर दिनेश शर्मा ने दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि देते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लालजी टण्डन, कमल रानी वरुण और चेतन चौहान ने अपना जीवन जनसेवा को समर्पित कर दिया। उनका निधन सभी के लिये एक अपूर्णीय क्षति है।

अहमद हसन की अनुपस्थिति में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सम्भाल रहे श्याम सुंदर दास निषाद ने भी दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रस्ताव पर सुरेश कुमार त्रिपाठी, लक्ष्मण प्रसाद आचार्य तथा अन्य सदस्यों ने भी अपनेकृअपने विचार व्यक्त किये। सभापति रमेश यादव ने नेता सदन, नेता विपक्ष तथा अन्य सदस्यों की भावनाओं से खुद को जोड़ते हुए दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। मृतात्माओं की शांति के लिये दो मिनट का मौन रखे जाने के बाद सदन की कार्यवाही शुक्रवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिये स्थगित कर दी गयी। कोविड-19 महामारी के समय बुलाये गये इस सत्र में सदन के अंदर जरूरी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया गया है। सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने के मकसद से सदस्यों के लिये एक सीट छोड़कर बैठने का इंतजाम किया गया है। इसके अलावा दर्शक दीर्घा में भी दर्शकों के बजाय सदस्यों के बैठने के लिये निर्धारित प्रोटोकॉल के मुताबिक बंदोबस्त किया गया। सभी सदस्य मास्क लगाकर सदन में पहुंचे।

बाजार खाला इलाके में रसोई गैस की अवैध रिफिलिंग का धंधा जोरों पर

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के थाना बाजार खाला इलाके में रसोई गैस की अवैध रिफिलिंग का धंधा जोरों पर चल रहा जिससे पुलिस को रोजाना हजारों रुपये का लाभ हो रहा हैं। प्राप्त समाचार के अनुसार बाजार खाला क्षेत्र के करीब आधा दर्जन स्थानों पर रसोई गैस की अवैध रिफिलिंग का धंधा जोरों पर चल रहा है। बताया जाता है कि क्षेत्र के मेहँदीगंज, पुराना हैदरगंज, भदेवा, तिलक नगर, खजुवा, ऐशबाग, मोतीझील, बिलोचपुरा, खाला बाजार के आस-पास के इलाकों में अवैध रिफिलिंग का धंधा जोरों पर चल रहा है लेकिन सम्बन्धित विभाग के किसी भी अधिकारियों व कर्मचारियों का ध्यान इस काले कारनामों के धंधे की तरफक्यों नहीं जा रहा है। इस कारोबार से जुड़े लोग नियम कानून को दरकिनार कर मोटी कमाई के चक्कर में यह मौत का गोरखधंधा चला रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि लम्बे समय से चल रहे इस धंधे पर न तो आपूर्ति बिभाग और न ही प्रशासन के जिम्मेदारों की नजरें पड़ रही है।इन लोगों पर कार्रवाई तो दूर अभी तक इसको लेकर जांच अभियान भी नहीं शुरू किया गया है। घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों से छोटे सिलेंडरों में गैस रिफिलिंग करना गैर कानूनी और प्रतिबंधित है। परन्तु खाला बाजार क्षेत्र में यह धंधा इस समय पूरे शबाब पर है। बाजार खाला घ्क्षेत्र के मेहँदीगंज पुराना हैदरगंज के आस-पास, भदेवा, तिलक नगर, खजुवा, ऐशबाग, मोतीझील, बिलोचपुरा, खाला बाजार सहित आधा दर्जन भर जगहों पर अवैध रिफिलिंग का धंधा लोगों की मोटी कमाई का जरिया बना हुआ है। कारोबारी इस काम के लिए बड़ा सिलेंडर लेकर उसे दुकान के अन्दर गुप-चुप तरीके से छोटे सिलेंडरों में रसोई गैस पलटता हैं। रिफिलिंग का धंधा काफी खतरनाक और जरा सी असावधानी पर जान लेवा साबित हो सकती है। इससे हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। क्षेत्रघ् के लोगों ने बताया कि गैस रिफिलिंग का धंधा काफी दिनों से चल रहा है। इस दिशा में जिम्मेदारों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। क्षेत्रीय लोगों ने इस गोरखधंधे पर रोक लगाने की मांग प्रशासन से की है।

स्वच्छ सर्वेक्षण में यूपी देश में अव्वल

लखनऊ, संवाददाता। राष्ट्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 में उत्तर प्रदेश की 19 निकायों ने विभिन्न श्रेणियों में अच्छे प्रदर्शन के बूते राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान पाने वाले निकायों में अपना स्थान बनाया है। कोविड 19 के कारण बहुप्रतीक्षित स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 का परिणाम आज आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने घोषित कर दिया है। आधिकारिक प्रवक्ता ने गुरूवार को बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण के परिणाम में उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक पुरस्कार पाने वाला राज्य है। प्रदेश में दो कैंट क्षेत्र समेत 19 नगर निकायों को यह सम्मान मिला जबकि शीर्ष 12 अवाडर में से दो उप्र को मिले। आज घोषित परिणाम में देश के चुने हुए 12 शहरों को पुरस्कृत किया गया और उक्त कैटेगरी में राज्य के दो नगर निगमों वाराणसी एवं शाहजहॉपुर के अलावा प्रदेश के अन्य 17 निकाय जो लखनऊ, फिरोजाबाद, कन्नौज, चुनार, गंगाघाट, आवागढ़, मेरठ कैण्ट, गजरौला, मुरादनगर, स्याना, पलियाकला, मल्लावां, बरूआसागर, बकेवर, बलदेव, अछलदा, मथुरा कैण्ट को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि स्वच्छ सर्वेक्षण प्रतियोगिता अखिल भारतीय स्तर पर प्रत्येक वर्ष आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित करायी जाती है और पिछले तीन सालों से राज्य द्वारा सतत रूप से उत्तरोतर प्रगति की गयी है। जहां वर्ष 2018 में राज्य की तीन निकाय और वर्ष 2019 में 14 निकायों को सम्मान मिला था, वहीं इस वर्ष 2020 के सर्वेक्षण परिणाम में यह संख्या बढ़ कर 19 हो गयी है। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अन्तर्गत प्रदेश ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। व्यक्तिगत शौचालयों का लक्ष्य शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है और लगभग 60,000 सीटों के सामुदायिक,सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराया गया है। सभी नगरीय निकायों में महिलाओं के लिये विशेष रूप से पिंक शौचालय का निर्माण कराया गया है जबकि सभी निकाय खुले में शौच से मुक्त हो चुके हैं।

सुरक्षाकर्मियों को चकमा देकर विधानसभा के अंदर घुसे सांसद संजय सिंह

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना संकट के बीच उत्तर प्रदेश विधानसभा का तीन दिवसीय मानसून सत्र गुरूवार को शुरू हुआ। वहीं यूपी की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम हुआ। जहां सुरक्षाकर्मियों को चकमा देकर विस के अंदर आम आदमी पार्टी के नेता व सांसद संजय सिंह पहुंच गए। वह सदन की दीर्घा में अपने समर्थितों के साथ जाकर बैठ गए। बता दें कि आप सांसद संजय सिंह का यह राजनैतिक दुस्साहस है। उनपर 9 मुकदमे दर्ज हैं। इसके बावजूद उन्होंने नए कांड को अंजाम दिया। वह इतने शातिर तरीके से पहुंचे की पुलिस भी उन्हें पहचान ना पाई। वह सदन के अंदर जाकर राज्यपाल दीर्घा में बैठ गए। इतना ही नहीं वह लगातार भाजपा विधायकों से अभिवादन आदि भी करते दिखें।

रिया चक्रवर्ती टिप्पणी, गुप्तेश्वर पाण्डेय की महिला आयोग में शिकायत

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ स्थित एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठकुर ने कल सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुशांत सिंह केस सीबीआई को देने के आदेश के बाद बिहार के डीजीपी गुप्तेश्वर पाण्डेय द्वारा अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के संबंध में की गयी व्यक्तिगत टिप्पणी की राष्ट्रीय महिला आयोग में शिकायत की है,नूतन ने शिकायत में कहा कि श्री पाण्डेय ने सुश्री रिया के लिए कहा कि उनकी बिहार के मुख्यमंत्री पर कमेन्ट करने की औकात नहीं है. उनके द्वारा एक महिला पर की गयी यह टिप्पणी स्पष्टतया अनुचित एवं आपत्तिजनक है. यह भी स्पष्ट है कि यह टिप्पणी उनके आधिकारिक दायित्व में नहीं आता है और एक शासकीय पद पर बैठा आदमी सरकारी वर्दी में इस प्रकार की व्यक्तिगत टिप्पणियां नहीं कर सकता है,नूतन ने इसे अनुचित, आपत्तिजनक तथा अपमानजनक बताते हुए कार्यवाही की मांग की है। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह को भी शिकायत भेज कर श्री पाण्डेय द्वारा सुश्री रिया के अलावा पहले भी एक पत्रकार को अवैध खनन के संबंध में फोन करने पर भद्दी गालियाँ देने तथा अनावश्यक बातें कहने के संबंध में शिकायत की है. उन्होंने कहा कि डीजीपी का यह दायित्व है कि वे प्रदेश में हो रहे अवैध खनन को रोकें. इसके विपरीत श्री पाण्डेय ने इस संबंध में शिकायत करने वाले सहित नेता, विधायक, एसपी, पत्रकार, थानेदार आदि द्वारा अवैध खनन करने की बता कही और कहा कि यह उनकी नहीं खनन सचिव की जिम्मेदारी है। नूतन ने कहा कि इस प्रकार एक तो श्री पाण्डेय ने अपने कर्तव्य का पालन नहीं किया, ऊपर से अनुचित शब्दों एवं भाषा का प्रयोग किया।

गैस एजेंसियों पर लटके ताले, सुबह से परेशान दिखे ग्राहक

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर अवैध गैस रिफिलिंग के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्यवाही कर तीन थाने विभूतिखण्ड, मड़ियांव और मोहनलालगंज में मुकदमा पंजीकृत कर बड़ी मात्रा में सिलेंडर और अवैध गैस रिफिलिंग के उपकरण बरामद किए है। इस कार्यवाही के खिलाफअब तमाम गैस एजेंसियां हड़ताल पर चली गई है। करीब 110 एजेंसियां हड़ताल पर है और हड़ताल के चलते गैस सिलेंडरों की डिलीवरी भी रोक दी गई है। इस हड़ताल में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रो की तकरीबन 110 एजेंसियां शामिल है। इण्डेन, एचपी और भारत गैस एजेंसियों के मालिक, कर्मचारी और डिलीवरी मैन पूरी तरह हड़ताल पर चले गए है।

दुगांवा क्षेत्र में हो रही है गंदे पानी की सप्लाई

दर्जन भर से अधिक स्थानों पर टूट चुकी है पाइप लाइन

लखनऊ, संवाददाता। नाका थाना के अर्न्तगत आने वाले इलाकों बशीरतगंज, रानीगंज, दुगांवा आदि में पिछले कई दिनों से गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है। स्थानीय निवासी इसी पीले गंदे और बदबूदार पानी का उपयोग करने पर मजबूर है। शिकायत करने पर भी जिम्मेदारों पर कोई असर नहीं हो रहा है। बताते चले कि राजेन्द्र नगर पानी की टंकी से इन इलाकों में पानी की सप्लाई होती है। पानी को ले जाने वाले पाइप अंग्रेजों के जमाने के पड़े है। पाइप लाइन जर्जर हो चुकी है। क्षेत्र के करीब दर्जन भर स्थानों पर जगह-जगह पाइप लाइन टूट चुकी है। नगर निगम और जलकल विभाग इनकी मरम्मत करने के बजाय केवल मिट्टी और पत्थर डाल कर काम चला रहा है। सारी गन्दगी पाइप के द्वारा पानी के साथ घरों तक पहुंच रही है। इलाके के हजारों निवासियों के ऊपर पानी से होने वाले संक्रामक रोगों का खतरा मंडरा रहा है। आये दिन राजेन्द्र नगर पानी की टंकी की मुख्य पाइपलाइन फट जाती है जिससे लाखों लीटर स्वच्छ पेय-जल तो बर्बाद होता ही है साथ ही इलाका जलमग्न भी हो जाता है। ऐसा कई वर्षों से चल रहा है परन्तु जल संस्थान व नगर निगम इस समस्या पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है साथ स्थानीय सभासद भी खामोश बैठे है।

ट्रीपल मर्डर से थर्राया निगोहां, पति-पत्नी और बेटे की खून से सनी मिली लाश

लखनऊ, संवाददाता। योगी आदित्यनाथ सरकार की तमाम सख्तियों के बावजूद उत्तर प्रदेश में एक तरफतो बदमाशों के हौसले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ आम जनता का जीवन खतरे में पड़ गया है। जहां ये बुलंद हौसले वाले बदमाश कब उन्हें अपना शिकार बना लें क्या भरोसा? प्रदेश की राजधानी लखनऊ से दिल दहला देने वाला मामला प्रकाश में आया है। जहां एक ही परिवार के तीन सदस्यों की खून से सनी लाश मिली है। बता दें कि मामला निगोहां के उदयपुर गांव का है। जहां पति पत्नी और उसके बेटे की हत्या कर दी गई। खून से सने तीनों के शव मिले हैं।

व्यापारी नेता की दुकानों से लाखों रुपए का सामान चोरी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में चोरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। कोरोना संकट के बीच बीती रात चिनहट के सतरिख रोड कस्बा चौकी क्षेत्र में चोरों ने एक दिन का ताला तोड़कर लाखों का माल व नगदी साफ कर दी। पीड़ित व्यापारी को जब सुबह चोरी की घटना की जानकारी लगी तो उसने पुलिस को सूचना दी। व्यापारी नेता विनोद तिवारी की दुकान में लाखों की चोरी की घटना सामने आने के बाद स्थानीय व्यापारियों में काफी रोष है। लोगों का कहना है कि पुलिस रात में गश्त नहीं करती है। जिसके चलते चोरों के हौसले बुलंद हैं। फिलहाल चिनहट पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और चोरों की तलाश में जुट गयी है।

इस्लामी नये साल की खुशियों को मातम में बदलने वाले षड्यन्त्रकारी है

लखनऊ, संवाददाता। विश्व में भारत ही ऐसा देश है जहाँ धर्म के नाम पर धंधा बहुत ही जोर-शोर से चलता है बल्कि सत्ता भी कब्जा करना आसान है। धर्मगुरू हिन्दू हों या मुस्लिम शिया हों या सुन्नी, ब्रहमण हों या गैर ब्रहमण उन्हें भारत और भारत के नागरिकों के हितों से कुछ लेना देना नहीं है। जो शिया, सुन्नी और अन्य धर्मगुरू अपने स्वार्थ के लिए लाखों की भीड़ एकत्र कर लेते हैं उनमें से एक भी धर्मगुरू जनता के हितों की रक्षा करने के लिए एन,पी,आर, तथा एन.आर.सी. आदि काले कानून के खिलाफ नहीं उतरा। आज विश्व भर में कोरोना महामारी का समय है और हमारे भारत में कोरोना के भय से ही सही धर्म के नाम पर पाखण्ड कुछ तो रूका यह खुशी की बात है। आज मोहर्रम की पहली तारीख है और इस्लामी तारीख की 1442 हिजरी शुरू होगी। इस्लाम के दुश्मन और षड्यन्त्रकारी इस्लामी नये साल को मातम में बदलने का प्रयास करते चले आ रहे हैं और भारत के मुस्लिम समाज को हसन व हुसैन का कातिल बताकर आम जनता को गुमराह करते हैं। राष्ट्रीय समाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मुहम्मद आफाक ने कहा कि कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए अन्य धर्म समुदाय की तरह मोहर्रम में षिया समुदाय के मजलिस, मातम और सुन्नी समुदाय को जुलूस करने की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए। धर्मगुरूओं ने अगर सारे इंसानों को श्री आदम से जोड़ा होता तो भारत में भाईचारे और बन्धुत्व का खुशगवार माहौल होता लेकिन धर्मगुरूओं ने अपना धर्म नहीं निभाया और धर्म के नाम पर नाजायज वसूली करके आम जनता का शोषण, उत्पीड़न और इमोशनल ब्लैकमेल किया है। ऐसे लोग इंटेलुक्चुअल क्रिमनल हैं जो धर्म के नाम पर बड़े-बड़े अपराध करते हैं और लोगों में धर्म, जाति सम्प्रदाय, पंथ के नाम पर नफरत फैलाते हैं एक-दूसरे के खिलाफउकसाते हैं। ऐसे धर्मगुरूओं पर पौनी नजर रखी जाए जो अपने स्वार्थ के लिए धर्म का धंधा चला रहे हैं और लोगों को जागरूक नागरिक बनाने के बजाये लोगों का अंधभक्त बना रहे हैं जिससे दुनिया में भारत की छवि खराब हो रही है। अन्त में मुहम्मद आफाक ने कहा कि भारत के संविधान ने धर्म का पालन करने का अधिकार दिया है लेकिन धर्म के नाम पर पाखण्ड करने का अधिकार नहीं दिया है। अतः धर्म के नाम पर पाखण्ड करने वालों के खिलाफ संवैधानिक कार्यवाही होनी चाहिए जो कि देषहित और जनहित में बहुत जरूरी है।

डालीगंज जैन मन्दिर में मनी 108 श्री शांति सागर महाराज की पुण्यतिथि

लखनऊ, संवाददाता। श्री जैन धर्म प्रवर्द्धनी सभा की ओर से 20वीं शदी के प्रथम जैन आचार्य चरित्र चक्रवर्ती 108 शांति सागर महाराज की पुण्यतिथि डालीगंज जैन मन्दिर में गुरुवार को मनाई गई। सभा अध्यक्ष विनय जैन की अध्यक्षता में आचार्य श्री की भव्य अष्टधातु की प्रतिमा पर पंचामृत अभिषेक, पूजन, अर्घ्य, आरती, श्रीफल चढ़ाया गया। विनय जैन ने कहा कि आज आचार्य श्री की कृपा से ही दिगम्बर मुनियों की परम्परा चल रही है। इस मौके पर पुष्पांजलि, सुशील जैन, वीर कुमार जैन, डा0 दिनेश जैन, राधा जैन, सुम्या जैन, विब्बो भाभी, रिंकू जैन, हंसराज जैन, रितेश जैन ने नियमो का पालन करते हुये पुष्पांजलि अर्पित की।

इधर उधर न फेंके पीपीई किट

मॉस्क और गाउन का होना चाहिए सही तरीके से निस्तारण:सीएमओ

फ्तेहपुर । कोविड-19 के खिलाफ जंग में जुटे स्वास्थ्यकर्मियों, अस्पतालों व अन्य कार्यस्थलों के स्टाफ को सुरक्षित बनाने में पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्यूपमेंट (पीपीई किट) की बड़ी भूमिका है, बशर्ते इस्तेमाल के बाद उसका सही तरीके से निस्तारण किया जाए। इस्तेमाल के बाद इधर-उधर खुले में छोड़ देने से संक्रमण का खतरा और अधिक बढ़ जाता है। अस्पतालों, एम्बुलेंस, एयरपोर्ट और यहाँ तक कि श्मसान घाटों तक पर खुले में फेंकी गयी पीपीई किट के बारे में चिकित्सकों का साफकहना है कि ऐसा करके हम खुद को बचा नहीं रहें हैं बल्कि अपने साथ ही दूसरों को भी मुश्किल में डालने का काम कर रहे हैं। सीएमओ डॉ0 सूर्य प्रकाश अग्रवाल कहना है कि इस्तेमाल की गयी पीपीई किट से कम से कम दो दिन तक संक्रमण का पूरा खतरा रहता है। इसलिए किट का चाहे मास्क हो या गाउन उसको कदापि इधर-उधर न फेंके बल्कि उसके लिए निर्धारित ढक्कन बंद पीली डस्टबिन में ही डालें और अस्पतालों को भी चाहिए कि इस बायो मेडिकल वेस्ट (अस्पताल के कचरे) के निस्तारण की व्यवस्था दुरुस्त रखें। उनका कहना है कि ऐसा देखने में आया है कि कुछ लोग किट को इस्तेमाल के बाद इधर-उधर फेंक देते हैं जो कि बहुत ही गंभीर मामला है। ऐसे लोगों के खिलाफ तो आपदा अधिनियम के तहत कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि इससे जहाँ संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, वहीं इसका सीधे तौर पर पर्यावरण पर भी असर पड़ता है जो कि लोगों के जीवन को प्रभावित कर सकता है। अस्पतालों ने वैसे इस काम को एजेंसियों के जिम्मे कर रखा है जो कि कचरे को निस्तारित करने के लिए इन्सीनरेटर मशीन लगा रखी हैं, जहाँ पर इसका समुचित निस्तारण होता है ताकि किसी तरह के प्रदूषण का खतरा न रहे।

सीएमओ का कहना है कि इसके लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बाकायदा गाइड लाइन जारी की है कि पीपीई किट के इस्तेमाल और निस्तारण में किस तरह से सावधानी बरतनी है। उसके मुताबिक ही इसके निस्तारण में सभी की भलाई है। उनका कहना है कि देश में इस समय रोजाना लाखों पीपीई किट का इस्तेमाल हो रहा है और यह एक बार ही इस्तेमाल के लिए हैं। इसलिए इस्तेमाल के बाद इसको मशीन के जरिये ही नष्ट किया जाना सबसे उपयुक्त तरीका है। उनका कहना है कि अगर कोई भी पीपीई किट को इस्तेमाल के बाद इधर-उधर खुले में फेंक देगा तो उसका यह कृत्य इस लड़ाई को कमजोर बना सकता है। इसलिए खुद के साथ दूसरों को भी सुरक्षित बनाने के लिए जरूरी है कि एक जिम्मेदार नागरिक की भांति इस्तेमाल के बाद किट को ढक्कन बंद डस्टबिन में ही डालें।

पीपीई किट में क्या-क्या है शामिल.....

फ्तेहपुर (प्रभात व्यूज)। इस किट में सिर से पाँव तक को पूरी तरह से कवर करने का पूरा ध्यान रखा गया है। इसमें सिर को ढकने के लिए कैप, गागल्स, फेस शील्ड, ट्रिपल लेयर मास्क, ग्लव्स, गाउन (एप्रन के साथ व एप्रन के बिना दोनों तरह से) और शू कवर शामिल हैं। इसमें से कोई भी चीज को इस्तेमाल के बाद खुले में फेंकने पर पूरी तरह से मनाही है, क्योंकि इसके संपर्क में आने से कोई भी संक्रमण की जद में आ सकता है।

छठवीं के छात्र ने बनायी सेंसरयुक्त सैनिटाइजर मशीन

खागा, फ्तेहपुर । सरस्वती बाल मंदिर इण्टर कालेज के कक्षा 6 ब का एक विद्यार्थी जिसका नाम किशन अग्रहरि पुत्र सुरेश चन्द्र अग्रहरि ने अपनी सोच और बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने घर पर एक आटोमेटिक सैनिटाइजर सैंसर मशीन का निर्माण किया और अपने भाई के साथ विद्यालय में आकर को प्रधानाचार्य राजकपूर सिंह को दिखाया। विद्यार्थी के इस कार्यकुशलता को देखकर प्रशन्न होकर प्रधानाचार्य ने बालक को उपहार देकर उत्साहवर्धन किया।

कुयें में गिरे वृद्ध की उपचार दौरान मौत

फ्तेहपुर । गाजीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भोलापुर में बुधवार की देर शाम कुएं में गिरकर एक लगभग 80 वर्ष वृद्ध घायल हो गया। जिसे उपचार के लिये जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहा इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार भोलापुर गांव निवासी वृद्ध इकबाल पुत्र स्व0 रामसिंह कल शाम लगभग साढे सात बजे घर के बाहर लघुशंका के लिये जा रहा था तभी पास में ही सपाट कुये में जा गिरा। इसकी जानकारी जब परिजनो को हुयी तो गांव वालो की मदद से वृद्ध को कुयें से बाहर निकाल आनन-फानन सरकारी एम्बुलेंन्स द्वारा उपचार के लिये जिला चिकित्सालय में भर्ती करा दिया गया। जहा देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। वही सूचना पाकर पुलिस ने मर्चरी हाउस पहुच शव को को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

जन देने का प्रयास

फ्तेहपुर । खागा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मियादपुर में बुधवार की शाम घरेलू कलह के चलते एक लगभग 40 वर्षीय महिला ने जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। जिसने अचेता अवस्था में उपचार के लिये जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार मियादपुर गांव निवासी छेदू की पत्नी प्रेमादेवी जो पिछले काफी दिनो से घरेलू कलह के चलते मानसिक तनाव में थी। आजिज आकर उसने कल शाम जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। कुछ समय बाद जब उसकी हालत बिगडने लगी तो परिजनो ने उसे तत्काल सरकारी एम्बुलेन्स द्वारा उपचार के लिये जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

दस लीटर अवैध शराब बरामद

हुसैनगंज, । उपनिरीक्षक रमाकान्त गिरि चौकी प्रभारी भिटौरा द्वारा एक नफर अभियुक्त राजू पुत्र स्व0 सुखलाल पासी निवासी ठकुराईनपुर थाना मलवां सम्बन्धित मु0अ0सं0 145/20 धारा 60 आबकारी अधि0 में गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से 10 लीटर कच्ची देशी महुआ शराब बरामद की है।

रोजगार मेले में पैंसठ अभ्यर्थियों को मिली नौकरी

फ्तेहपुर । जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा जनपद के बेरोजगार अभ्यर्थियों हेतु विगत 14 अगस्त को ऑनलाइन रोजगार मेला का आयोजन किया गया था, जिसमें प्रदेश स्तर की कल्याणी सोलर पावर द्वारा 09, स्कार्पिक्स इण्डिया द्वारा 12, मगध एग्रो टेक द्वारा 12, स्मार्ट टच इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा0 लि0 द्वारा 19 एवं एजेन्ट एक्का द्वारा 13 प्रवासी एवं निवासी अभ्यर्थियों को शार्टलिस्ट कर सहायक सेवायोजन अधिकारी रविंद्र कुमार मिश्र व रोजगार मेला प्रभारी शशांक पाण्डेय के दिशा निर्देशन में चयन प्रक्रिया संपन्न हुई। रोजगार मेले में कुल 939 अभ्यर्थियों का ऑनलाइन साक्षात्कार हुआ जिसमें 65 अभ्यर्थी चयनित हुए। इनमें 28 कुशल प्रवासी श्रमिक भी सम्मिलित हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में राधा कृष्ण तिवारी, लाल सिंह, हसमत अली, आशुतोष वर्मा, आशीष दीक्षित, चंद्र किशोर, सुखनंदन सक्सेना, संदीप एवं ललित कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

युवक ने मांगी पांच साल के विकास कार्यो की जानकारी

फ्तेहपुर । ग्राम पंचायत मुचवपुर पोस्ट दमापुर के रहने वाले प्रमेश कुमार पुत्र दशरथ लाल ने वित्तीय वर्ष 2016 से लेकर 2020 तक गांव में कराए गए कार्यों की जानकारी जन सूचना अधिकार के तहत मांगते हुए ग्राम प्रधान पर आरोप लगाया है कि प्रधान ने पंचायत भवन में लागये गये खरंजा व नाली निर्माण, रिबोर में धन कितना खर्च किया। यह जानकारी के साथ कितने खरंजा गांव में लगे किस-किस के घर के पास हैंडपंप का रिबोर में खर्च आया उसकी जानकारी मांगी है।

साथियों संग स्नान करने गया युवक गंगा में डूबा, हुई मौत

हुसैनगंज, फ्तेहपुर । थाना क्षेत्र के गंगा नदी स्थित असनी घाट पर बुधवार को साथियों संग गए, एक युवक की गंगा स्नान के दौरान डूबने से मौत हो गई। गंगा नदी में डूबे युवक की तलाश पुलिस,गोताखोरों और स्थानीय लोगों द्वारा की जा रही है। बताते चलें कि गाजीपुर थाना क्षेत्र के चक अल्लीपुर निवासी राममिलन पाल का पुत्र नील जी उर्फ अमन असनी घाट बुधवार को सुबह अपने दोस्तों के साथ गंगा स्नान करने गया था। जहां नहाते समय गंगा नदी में तेज बहाव के कारण वह गहरे पानी में चला गया। वहीं उसे डूबता देख साथ गए घाट पर स्नान कर रहे साथियों ने उसे बचाने का प्रयास किया। लेकिन वह गहरे पानी के अंदर समा गया। वहीं अमन के डूबने की खबर साथियों द्वारा पुलिस व परिजनों को दी गई। जिसके बाद पुलिस व गोताखोरों के चले रेस्क्यू आपरेशन के 24 घंटे बाद घाट से लगभग दस किलोमीटर की दूरी से शव बरामद कर लिया। वही युवक की मौत से उसके परिजनों में गम का माहौल बना है। उधर मौके पर मौजूद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

चेकिंग अभियान के दौरान दो वाहन चोर चढ़े हत्थे

गाजीपुर, फ्तेहपुर । जिले में वाहन चोरी की घटना को लेकर एसपी के निर्देश पर थाना की पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल में सवार दो लोगो को रोककर कागज मांगा तो दोनों आना-कानी करने लगे। जिस पर पुलिस की सख्ती के बाद दोनों ने दो और मोटरसाइकिल चोरी करने की बात स्वीकारी, जिस पर चोरी की तीन मोटरसाइकिल बरामद किया। वही थाना प्रभारी ने बताया कि वाहन चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल को रोककर पूँछताछ करने पर लवकुश रैदास पुत्र केशव पाल व भूपेंद्र पुत्र राजेन्द्र रैदास के निशानदेही पर टेसरी मोड़ के पास खंडहर से दो मोटरसाइकिल बरामद किया, जिसमे तीन मोटरसाइकिल चोरी की मिली है। जंहा दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्यवाही की गई हैं।

समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता सम्मान समारोह में उड़ी सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियॉ

- जिलाध्यक्ष समेंत आयोजक भी भूले मॉस्क लगाना
- मंच पर बैठने को लेकर मची रही होड़

हथगाम, फ्तेहपुर । प्रदेश का प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी कोरोना संक्रमण काल में प्रतिबंध के बावजूद कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन कर रही है, जिसमें सामाजिक दूरी का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है। बड़ी बात यह है कि जिले में नेतृत्व परिवर्तन के बाद ऐसे कार्यक्रमों से संक्रमण बढ़ने की सम्भावना काफी बढ़ जाती है।

गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी का हुसैनगंज विधानसभा का कार्यकर्ता सम्मान समारोह आज हथगाम में बाबा बेनी माधव सिंह इंटर कॉलेज सरौली में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष विपिन सिंह यादव ने विधानसभा की कमेटी का गठन करके कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही सपा आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश में सरकार बनाएगी। सभी कार्यकर्ताओं से कहा कि अपने-अपने बूथों में जाकर के पार्टी के किए गए कार्यो को जन-जन तक पहुंचाएं व राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ता अपने अपने क्षेत्र में प्रचार प्रसार करना शुरू कर दें। भाजपा सरकार में पूरे प्रदेश में भ्रष्टाचार व्याप्त है। चारों तरफ लूट, डकैती, हत्याएं हो रही है। शासन प्रशासन में कोई अंकुश नहीं रह गया है। जिससे जनता बहुत भयभीत है। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष वलिउल्लाह, पूर्व विधायक मो0 सफीर, प्रधान असलम फरसी, केदार यादव, रीता प्रजापति, रुक्कू यादव, अरुणेश पांडेय, हुसैनगंज विधान सभा अध्यक्ष फरमानुल हक, चन्द्र प्रकाश लोधी, चौधरी मंजर यार, गुड्डू पाल, जेपी यादव, कपिल देव यादव, पुत्तन सिंह लोधी, तनवीर हैदर नक्की व पार्टी के सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

द्वारिकापुर जट में विचित्र बीमारी का कहर

गंव में फैली गंदगी के चलते ग्रामीणों में डेंगू जैसे लक्षण हो रहे प्रतीत

अभी तक स्वास्थ्य महकमें ने नही ली सुधि

जहानाबाद, फ्तेहपुर । जहां पूरा देश एक तरफ कोरोना वायरस जैसी खतरनाक बीमारी से लड़ रहा है तो वही दूसरी तरफ जिले के जहानाबाद थाना अंतर्गत द्वारकापुरी जट ग्राम में विचित्र बीमारी से करीब दो दर्जन से अधिक लोग चारपाई पकड़े हुए हैं और कुछ लोगों में डेंगू जैसी खतरनाक बीमारी के भी लक्षण पाए जा रहे हैं। जिसका कहीं ना कहीं वजह है ग्राम में फैली गंदगी व बजबजाती नालियों में कई महीनों पुराना भरा गंदा एवं सड़ा हुआ पानी जिस में पल रहे है खतरनाक मच्छर एवं जीवाणु जो कि आए दिन नई नई बीमारियों को जन्म देते हैं। प्रधान द्वारा गांव की साफ-सफाई पर ध्यान ना देना और साफ सफाई के प्रति उपेक्षित नजरिया गांव को संक्रमित बीमारियों की ओर धकेल रहा है। गांव में जगह-जगह गोबर एवं कूड़े के ढेर लगे हुए हैं, गांव के ही अमित, नरेश, रामविलास, श्रीकांत, बुद्धा इत्यादि लोग करीब 1 सप्ताह से बीमार हैं। जिसमें अमित और नरेश को डॉक्टरों ने डेंगू की पुष्टि कर दी है।

बताते है कि गांव में मरीजों की संख्या चिंताजनक स्थिति में है, परंतु अभी तक गांव वासियों की कोई खोज खबर ग्राम प्रधान द्वारा या मेडिकल टीम द्वारा नहीं ली गई है और ना ही कोई जांच करने हेतु मेडिकल टीम ग्राम में पहुंची है। इस विकट स्थिति को देखते हुए बहुत बड़ी चिंता का विषय यह बना हुआ है कि अगर यही हालत बनी रही तो आने वाला समय बहुत ही कष्टदाई एवं चिंताजनक होगा। गरीब और असहाय लोगों के पास इस बीमारी में जीवन यापन करना बहुत मुश्किल हो गया है। ग्राम प्रधान के द्वारा भी ग्राम की देखभाल निरंतर ना करवा पाना भी एक बहुत बड़ा कारण है। ग्राम वासियों गरीब और असहाय लोगों की चीख पुकार आला अधिकारियों तक नहीं पहुंच रही है। जिसके चलते गांव में संक्रामक बीमारियों के खिलाफना ही कोई मुहीम चलाई जा रही है, गांव की सुरक्षा हेतु एवं डेंगू जैसी खतरनाक बीमारी से बचने के लिए ना ही कोई साधन किए जा रहे हैं। आए दिन नए-नए मरीज सामने आ रहे हैं। इन मरीजों को इलाज हेतु कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है। अब देखना यह है कि आने वाले समय में स्थिति सुधरती है या और ज्यादा हालात गंभीर होंगे। अगर समय पर इस बीमारी से इलाज हेतु और बचाव हेतु साधन ना किए गए तो आने वाला समय बहुत ही कष्टदाई होगा और स्थिति और भी ज्यादा गंभीर हो सकती है।

नगर में दो दर्जन बने कंटेनमेंट जोन

अब तक छियालिस लोग हो चुके है कोरोना पॉजिटिव

बिन्दकी, फ्तेहपुर । नगर में कोरोना वायरस संख्या कम होने का नाम नहीं ले रहा है। जिसके चलते अब तक 24 कंटेनमेंट जोन हो चुके हैं और 46 लोग कोरोना पॉजिटिव हुए हैं। हालांकि कई कंटेनमेंट जोन की अवधि समाप्त हो चुकी है तथा कई करोना पॉजिटिव से नेगेटिव भी हो चुके हैं। नगर में कोरोना वायरस संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। अब तक नगर में कुल 24 कंटेनमेंट जोन हो चुके हैं। जहां पर बैरिकेडिंग कर सैनेटाइजेशन कराया जा रहा है हालांकि कई स्थानों पर कंटेनमेंट जोन की अवधि समाप्त हो चुकी है। नगर में अब तक कुल 46 लोग कोरोना पॉजिटिव हो चुके हैं हालांकि कई लोग होम क्वॉरेंटाइन या इलाज के बाद स्वस्थ भी हो चुके हैं लेकिन लोगों की लापरवाही के कारण कोरोना वायरस संक्रमण का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है। नगर पालिका परिषद के सफाई इंस्पेक्टर ने बताया कि अब तक नगर में 24 स्थान कंटेनमेंट जोन बनाए जा चुके हैं। जिनमें सैनेटाइज कर बैरिकेडिंग की गई है बताया कि अब तक कुल 46 लोग नगर में कोरोना पॉजिटिव हो चुके हैं हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि कई लोग स्वस्थ होने के बाद कोरोना नेगेटिव भी हो चुके हैं फिर भी लोगों को एहतियात बरतना चाहिए। सभी लोगों को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए अनावश्यक घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। सामाजिक दूरी का पालन करना चाहिए और मास्क अवश्य लगाना चाहिए।

अज्ञात वाहन की चपेट में आये लकड़बग्घे की मौत

खागा, फ्तेहपुर । किशनपुर थाना क्षेत्र के विजयीपुर क्षेत्र के धाता रोड में गोदौरा मोड़ के पास अज्ञात वाहन ने गुरुवार की भोर पहर लकड़बग्घे को जोरदार टक्कर मार दी जिससे लकड़बग्घे की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार विजयीपुर क्षेत्र के धाता रोड में गोदौरा मोड़ के पास गुरुवार भोर पहर अज्ञात वाहन ने रोड पार कर रहे लकड़बग्घे को जोरदार टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सुबह राहगीरों ने लकड़बग्घे का शव देखा तो क्षेत्र में हड़कंप मच गया। लकड़बग्घा देखने वालों की भीड़ लग गई। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंचे वन विभाग की टीम से डिप्टी रेंजर केपी यादव, वन क्षेत्राधिकारी सच्चिदानंद, वनरक्षक अनूप शुक्ला ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर दफना दिया है। डिप्टी रेंजर केपी यादव ने बताया कि अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ लकड़बग्घा मारने के आरोप में किशनपुर थाने में मामला दर्ज कराया गया है।

अमौली सीएचसी के स्टाफकी हुई सराहना

अमौली, फ्तेहपुर । सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का काया कल्प अवॉर्ड के तहत निरीक्षण डॉ0 कमल मिश्रा स्टेट कंसल्टेंट और उनकी टीम द्वारा किया गया। टीम द्वारा अधीक्षक अमौली और समस्त स्टाफकी सराहना की गई और स्वास्थ्य व्यवस्था को और अच्छा करने के लिए कहा गया। इस मौके पर मुख्य रूप से डॉ0 राम जिला क्वालिटी कंसल्टेंट, डॉ0 उपासना गुप्ता, सुनील वर्मा, अमित मिश्रा, अभय प्रताप सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को अर्पित की श्रद्धांजलि

असोथर व हसवां ब्लाक कमेटी के गठन को लेकर हुआ मंथन

हसवां/असोथर, फ्तेहपुर । जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा सृजन अभियान के तहत आज हसवां तथा असोथर ब्लाक मुख्यालय में बैठक की गई। जिलाध्यक्ष अखिलेश पाण्डेय की उपस्थिति में हुई दोनो बैठको में ब्लाक अध्यक्ष पद के लिये तीन-तीन नामों पर विचार किया गया। जिलाध्यक्ष ने बताया कि युवा व संघर्षशील लोगों को पदों पर प्राथमिकता से जिम्मेदारी दी जायेगी। जिला उपाध्यक्ष संगठन शिवकान्त तिवारी ने कांग्रेस की नीतियों, रीतियों से अवगत कराया। कार्यक्रम में प्रमुख रुप से जिला महासचिव बीरेंद्र सिंह चौहान, जिला सचिव अशोक कुमार दुबे, जिला सचिव उदित अवस्थी, विकास मिश्र, रईस अहमद, नीरज, लालचंद्र पासवान, भगवान दास गुप्ता, दिलीप मिश्र, अजीत प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे। कांग्रेस कमेटी के गठन पर विस्तृत चर्चा की गई। ब्लाक हसवां की बैठक में राजीव गांधी की जयंती पर उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर चर्चा की गयी। ब्लाक कांग्रेस कमेटी के गठन के लिये सर्वप्रथम ब्लाकों से

हाईटेंशन विद्युत तार की चपेट में आने से युवक की हुई मौत

जहानाबाद, फ्तेहपुर । कस्बा के मोहल्ला सोनराही गली निवासी दिनेश कुशवाहा के पुत्र लालू कुशवाहा आज हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई । मिली जानकारी के अनुसार कस्बा के मोहल्ला सुनराही गली निवासी दिनेश कुशवाहा का पुत्र लालू कुशवाहा लगभग 21वर्ष खेतों की तरफ मजदूरी का कार्य करने जा रहा था जैसे ही युवक एक खेत पर गया तो ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट पर आ गया जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनो में कोहराम मच गया। जहानाबाद कस्बा इंचार्ज नीरज कुमार कुशवाहा ने बताया कि मृतक के परिजनों की तहरीर पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया। जहानाबाद विद्युत उपखंड के जेई सुरेश कुमार ने उक्त घटना से संबंधित बताया कि सूचना मिलते ही विद्युत कर्मचारी मौके पर पहुंचे ।जिनसे जानकारी हुई कि मृतक युवक लोहे की सीढ़ी हाथ और कंधे के सहारे टांग कर जा रहा था जिससे वह बिजली के तार के करंट की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गया। जैसे ही परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे उसकी मौत हो गई । विद्युत विभाग की ओर से मृतक के परिजनों को कारागार राज्य मंत्री कार्यालय में मृतक के पिता दिनेश कुशवाहा को 20 हजार रूपये नगद राशि साहनभूति के रूप में दिए और उनके परिवार को धैर्य बनाया।

जमीनीं विवाद को लेकर जमकर चले ईट-पत्थर

घटना से आधा दर्जन घायल

बिन्दकी, फ्तेहपुर । जमीन में कब्जे और निर्माण को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर कहासुनी गाली-गलौज के बाद ईट-पत्थर चले जिसमें आधा दर्जन लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के दरियापुर गांव में अमित कुमार रोड किनारे एक जमीन पर निर्माण कार्य करा रहा था। जिस पर जगरूप सोनकर ने नाराजगी जाहिर की जिसके चलते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची पुलिस ने मामले को समझा-बुझाकर शांत किया। उधर पुलिस के जाते ही एक बार फिर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी गाली-गलौज की बात जमकर ईट पत्थर चले जिसमें चुनकू, अमित, उर्मिला देवी, धर्मेंद्र कुमार, संजय तथा जगरूप घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है बताते हैं कि जमीन में कब्जा और निर्माण को लेकर दोनों पक्षों के बीच काफी दिनों से तनाव का माहौल चल रहा था। जिसके चलते जमकर ईट-पथराव हुआ। रोड में दूर-दूर तक ईट-पत्थर पड़े देखे गए गांव में अभी भी तनाव का माहौल है। हालांकि पुलिस ने मामले को शांत करा दिया है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रही है।

कमला हैरिस पर इतना उत्साह क्यों

कमला हैरिस के चुनाव को लेकर भारत में जो उत्साह है, वह बेमतलब है, क्योंकि कमला हैरिस भारत के लिए चुनाव नहीं लड़ रही हैं. वह अपने लिए और अमेरिका के लिए चुनाव लड़ रही हैं. वह तो अपने भारतीय मूल को लेकर भी चुनाव नहीं लड़ रही हैं. उन्होंने कभी भी पूरी तरह से अपनी भारतीय पहचान को उभारा नहीं है. वह खुद को काला मानती हैं और काले अमेरिकियों के साथ ही अपना तादात्म्य स्थापित करती हैं. हमें उन्हें बस इस रूप में देखना चाहिए कि वह एक अमेरिकी हैं और अमेरिका के लिए चुनाव लड़ रही हैं. जब भी कोई भारतीय मूल का अमेरिकी चुनाव में खड़ा होता है, तो हम यह मान लेते हैं कि वह भारत के पक्ष में होगा. यह मूर्खतापूर्ण सोच है. सच तो यह है कि वह अमेरिकी हैं. यदि भारत के प्रति उनका रवैया अच्छा है, तो इसलिए नहीं है कि वह भारतीय मूल के हैं, बल्कि इसलिए कि उनको लगता है कि भारत के साथ अच्छे संबंध अमेरिका के लिए बेहतर साबित होंगे. अमेरिका के चुनाव में किसी भी मूल का अमेरिकी नागरिक जीते, हमें इस बात से फर्क नहीं पड़ना चाहिए. यदि भारत के हितों के साथ अमेरिकी हित मिलते हैं, तो इसमें हमारा फायदा है और यदि ऐसा नहीं है, तो हमारा कोई फायदा नहीं है. इन चुनावों का हमारे लिए इतना ही महत्व होना चाहिए. दूसरी बात, कमला हैरिस पहले भी उच्च पदों पर रह चुकी हैं. यदि आप उनकी तुलना निकी हेली या अन्य भारतीय मूल के लोगों से करें, तो कमला हैरिस ने अपनी ओर से कभी ऐसी कोई बात नहीं कही है, जिसके लिए हमें उत्साहित होने की जरूरत है. हमें यह बात समझनी होगी कि अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते यदि बेहतर होते हैं, तो इसलिए नहीं कि कोई भारतीय मूल का व्यक्ति वहां उच्च पद पर आसीन है, बल्कि इसलिए कि भारत और अमेरिका के हित आपस में मिलते हैं. कमला हैरिस की उम्मीदवारी को लेकर हमें यह देखना पड़ेगा कि उनकी नीतियां क्या हैं? बहुत से लोग यह मान रहे हैं कि भारत और अमेरिका के संबंध एक ऐसे पड़ाव पर आ चुके हैं, जहां से उन्हें बेहतरी की तरफ ही जाना चाहिए, लेकिन कमला हैरिस जिस पार्टी का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिस सोच को प्रदर्शित करती हैं और भारत से जुड़े कई मुद्दों पर उनकी पार्टी की जो राय है, वह शायद भारत को गवारा नहीं होगा, क्योंकि वह भारत के हित में नहीं है. कश्मीर, सीएए समेत तमाम ऐसे मुद्दे हैं, जहां इनकी और भारत की सोच बिल्कुल अलग है. इन मुद्दों को लेकर दोनों के बीच समस्या पैदा होगी. हालांकि चीन और व्यापार समेत आपसी हित से जुड़े मामलों को लेकर दोनों के बीच संबंध बेहतर हो सकते हैं. यहां हमारे आपसी हित, हमारे मतभेदों पर इतने हावी हो जायेंगे कि मतभेदों को ज्यादा तवज्जो नहीं दी जायेगी. यदि ऐसा होता है, तो दोनों देशों के रिश्ते आगे बढ़ते रहेंगे, परंतु यदि इन्होंने हमारे अत्यधिक संवेदनशील मामलों में हस्तक्षेप करने या दबाव बनाने की कोशिश की, तो दोनों देशों के संबंध में खटास जरूर आ सकती है. हालांकि यह भी सच है कि कोई व्यक्ति या पार्टी जब चुनाव लड़ रहा होता है या विपक्ष में हो है, तो वे बहुत-सी बातें बोलता हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद वह उसे बहुत ज्यादा तवज्जो नहीं देता. यदि ऐसा होता है, तब तो भारत और अमेरिका के रिश्ते बेहतरी की तरफ जायेंगे. हमारे लिए ज्यादा चिंता का विषय वहां की राजनीति में शामिल वामपंथी हैं. बिल क्लिंटन के पहले कार्यकाल में, उनके प्रशासन में रॉबिन राफेल जैसे कुछ ऐसे लोग शामिल हुए थे, जिन्होंने भारत और अमेरिका के रिश्तों में केवल खटास ही पैदा की थी. उन दिनों कश्मीर में आतंकवाद चरम पर था और वह पाकिस्तान के पक्ष में थे. उस समय हमारे ऊपर काफी दबाव बना था, लेकिन उस समय से आज तक लगभग 30 वर्ष गुजर चुके हैं. चीन के साथ भारत की जो समस्या है, उसे भारत को अपने बलबूते ही सुलझाना होगा, चीन के सामने डट कर खड़ा रहना होगा. हमें समझना होगा कि कोई भी देश, दूसरे देश की लड़ाई नहीं लड़ता. इसके अतिरिक्त, चीन को लेकर बहुत-से ऐसे मुद्दे हैं, जहां भारत और अमेरिका के आपसी हित जुड़े हैं, वहां यदि को-ऑर्डिनेशन और को-ऑपरेशन होता है, तो भारत के लिए बेहतर रहेगा. अमेरिका के अंदर चीन को लेकर जो राय बनी है, वह सरकार बदलने के बाद भी शायद नहीं बदलेगी. अमेरिका और चीन के बीच के संबंध दुबारा वैसे नहीं होंगे, जैसे आज से पांच-सात वर्ष पहले थे. दूसरी बात, अमेरिका और चीन के बीच में तनाव का बढ़ना तय है, लेकिन देखना पड़ेगा कि सरकार बदलने पर नयी सरकार इस तनाव को किस हद तक लेकर जायेगी. हो सकता है कि वह इस तनाव को ज्यादा बढ़ावा न दे. यदि ऐसा होता है, तो यह चीन के लिए फायदेवाली बात होगी, क्योंकि यदि अमेरिका चीन को कोने में नहीं धकेलता है, तो चीन अपनी ताकत बढ़ाता रहेगा, जो शायद हमारे हित में नहीं होगा, लेकिन अगर अमेरिका उसको एक नये शीत युद्ध में ले जाता है और आर्थिक, सैन्य समेत तमाम तरह के दबाव चीन के ऊपर बनाता है, तो वह हमारे हित में होगा. माना जा रहा है कि कोरोना के बाद की दुनिया में काफी उथल-पुथल होगी. पुरानी दुनिया से उलट बिल्कुल नयी तरीके की दुनिया उभर कर आ रही है. चाहे वह कूटनीति हो, राजनीति हो या आर्थिक नीतियां हों, उनमें जमीन-आसमान का अंतर देखने में आ रहा है. चीन जिस तरह से धौंस जमा रहा है और जिस तरीके से वह शक्तिशाली होकर उभरा है, जाहिर है कि उसने अंतरराष्ट्रीय सिस्टम में उथल-पुथल पैदा कर दी है. आगे चल कर दुनिया शायद दो खेमों में बंट जाए. एक ओर चीन, दूसरी ओर अमेरिका. यदि चीन के साथ हमारे मधुर रिश्ते होते, तो हम बीच का रास्ता निकाल कर अपने हितों का संरक्षण करते, लेकिन चीन ने भारत के साथ जो हरकतें की हैं, उसे देखते हुए चीन हमारे लिए एक बड़े खतरे के रूप में उभर कर आ रहा है. ऐसे में संतुलन बैठाने के लिए हमें कहीं-न-कहीं अमेरिका के साथ अपने संबंधों को और बेहतर और मजबूत करना होगा।

सम्पादकीय

बिहार में चुनाव है

बिहार में बहार है, नीतीश कुमार है, जैसे लुभावने, जुबान पर चढ़ने वाले जुमलों के साथ नीतीश कुमार राज्य की सत्ता पर काबिज हुए। उन्होंने दल बदल नहीं किया, लेकिन पाला बदल जरूर कर लिया। भाजपा छोड़ आरजेडी के साथ हुए और फिर भाजपा के साथी बन गए। इससे उनके दिन फिर गए। लेकिन बिहार के लोगों के दिन नहीं फिरे। अशिक्षा, बेरोजगारी, गरीबी, भूख और इन सबके ऊपर जातिवाद के चंगुल में फंसा बिहार अब कोरोना और बाढ़ की चपेट में आ गया है। नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव, चिराग पासवान ऐसे तमाम नेता इन दिनों जोड़-तोड़ की राजनीति में काफी सक्रिय दिख रहे हैं। उन्हें इस तरह मसरूफ रखने का काम चुनाव आयोग के तय समय पर चुनाव कराने के फैसले ने किया है। आयोग को लगता है कि बिहार में विधानसभा चुनाव तय समय पर कराने की सारी तैयारियां कर ली जाएंगी। महामारी के मद्देनजर जो सावधानियां बरतनी चाहिए, वे सब उपाय भी किए जाएंगे। हालांकि कुछ राजनैतिक दलों का ये मानना है कि इस संकटकाल में चुनाव नहीं होने चाहिए। लेकिन सत्ताधारियों को शायद अपनी सत्ता किसी की भी जान से अधिक प्यारी है। इसलिए वे भी विधानसभा चुनाव कराना चाहते हैं। अब इसके लिए प्रचार कार्य भी शुरु होगा और उम्मीद है कि जिस तरह भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं ने बिहार में वर्चुअल रैलियां कीं, वैसी ही चुनावी सभाएं वर्चुअली देखने मिलेंगी। इंतजार इस बात का है कि इन आभासी रैलियों में वास्तविक मुद्दों पर चर्चा होगी या केवल आभासी मुद्दों पर ही चुनाव लड़ा जाएगा। जैसे मोदीजी को गलवान में शहीद बिहार रेजीमेंट के जवानों में बिहार की शौर्यगाथा सुनाई पड़ी। जैसे इस वक्त राजनैतिक दलों और मीडिया के लिए बिहार चुनाव के मद्देनजर सबसे बड़ा मुद्दा सुशांत सिंह राजपूत को न्याय दिलाना है। इसलिए एक दिन नहीं बीतता जब सुशांत सिंह को लेकर कोई सनसनीखेज खुलासा न होता हो। इन लोगों ने मुजफ्फरपुर के आश्रयघर में बच्चियों के साथ हुई ज्यादती या अस्पताल में मस्तिष्क बुखार के कारण अकाल मौत का शिकार होते बच्चों के लिए कभी इतनी शिद्दत से इंसाफ की मांग नहीं की। अगर की होती तो आज बिहार के हालात बहुत अलग होते। प्रवासी मजदूरों की व्यथाएं राजनीति की चर्चा के केंद्र में होते।

टेस्टिंग की कमी के कारण या पर्याप्त सावधानियां न बरतने के कारण कोरोना मरीजों की संख्या में जो इजाफा हुआ है, उस पर राजनैतिक विमर्श होते। पोस्टरबाजी बिहार चुनाव का एक खास आकर्षण बन गया है। जिसमें कभी जेडीयू लालू प्रसाद के शासनकाल की कमियां दिखाते हुए कटाक्ष करते हुए पोस्टर लगाती है, तो कभी आरजेडी नीतीश सरकार की कमियां गिनाते हुए पोस्टर लगवाता है। ट्विटर पर भी राजनैतिक रस्साकशी देखने मिलती है। पता नहीं इन नेताओं ने उस महिला के पैर की वायरल हुई तस्वीर देखी या नहीं, जिसमें पानी के कारण उसके तलवों में घाव और छेद हो गए हैं। न जाने उन घावों की पीड़ा के साथ वो अपने पैरों पर कैसे खड़े होती होगी। भारत को आत्मनिर्भर बनाने का अभियान छेड़ने वाले मोदीजी को भी अगला जुमला चलाने से पहले एक बार इन पैरों को जरूर याद कर लेना चाहिए। दरभंगा के कुशेश्वरस्थान की इस फोटो ने कई मार्मिक टिप्पणियां हासिल की हैं। लेकिन बाढ़ से लोगों का ऐसा ही हाल बिहार के कम से कम 16 जिलों में है। 75 लाख से अधिक की आबादी इस वक्त बाढ़ की चपेट में है। कई लोगों की जान जा चुकी है और जो जिंदा हैं, उन्हें अपना जीवन बचाने के लिए अकल्पनीय संघर्ष करना पड़ रहा है। गांवों के गांव बाढ़ से उजड़ चुके हैं। घरों में पानी भर आया तो लोग सड़कों पर, हाईवे पर रहने को मजबूर हैं। कई जगहों पर हालात ऐसे हैं कि कुछ लोग जाग कर पहरा देते हैं, और बाकी कुछ देर की नींद लेते हैं, क्योंकि सब एक साथ सो गए तो हाईवे पर ट्रक या बस से कुचलने का डर है। बारिश और बाढ़ के साथ सांप भी इन लोगों के जीवन में घुस आए हैं। जिनसे बचना और फिर उन्हीं के बीच रहना इनकी नियति बन गई है। एनएच 57 मोदी और नीतीश सरकार के विकास की गाथा नहीं बताती है, बल्कि बूढ़ी गंडक, बागमती और अधवारा की धाराओं के बीच सब कुछ गंवा चुके ग्रामीणों का आश्रयस्थल बन चुकी है। इसके दोनों ओर पन्नियों से बने तिरपालों के नीचे अब बिहार की गरीब ग्रामीण जनता का रैन-बसेरा है। नीतीश सरकार ने बाढ़ प्रभावितों के लिए छह हजार रुपए की क्षतिपूर्ति राशि रखी है। इन छह हजार रुपयों में ही सरकार बड़ी दानदाता बनना चाहती है। लेकिन भ्रष्टाचार और सरकारी कोताही इतनी है कि कई बाढ़ पीढ़ितों को ये छह हजार रुपए भी नसीब नहीं हुए। सरकारी राहत के नाम पर खाने-पीने की मदद भी दो किलो चूड़ा में पूरी हो जा रही है। खेती-किसानी बर्बाद हो गई, घरेलू उद्योग चौपट हो गए, लॉकडाउन के कारण रोजगार छिन गया और सरकार समझती है कि छह हजार रुपए या दो किलो चूड़ा के भरोसे बिहार के ये बाढ़ प्रभावित अपने हालात, भूख, गरीबी और कोरोना जैसी महामारी सबसे लड़ लेंगे। इसलिए वो अब चुनाव पर ध्यान दे रही है। जातिगत समीकरण साधते हुए कभी दलित नेताओं को कभी सवर्ण नेताओं को लुभा रही है। गरीब जनता वाकई हर कठिन हालात से लड़ लेगी और शायद जिंदा भी बच जाए, लेकिन राजनीति की निर्ममता और कुटिलता से लड़ना शायद उसके बस में नहीं है। बिहार बेहाल है, बीमार है, लेकिन चुनाव की बहार है।

आजादी में विलंब अराजकता पैदा करता

मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष ने कहा है कि भारत का विभाजन इसलिए हुआ क्योंकि नेहरूजी समेत कांग्रेस नेता सत्ता का भोग करने को उतावले थे। उनका यह कथन पूरी तरह से बेबुनियाद तो है ही, साथ ही इस बात का प्रतीक है कि संबंधित नेता उस समय के घटनाक्रम से पूरी तरह अवगत नहीं हैं। पहली बात यह है कि देश के आजाद होने के बाद जो पहली मंत्रिपरिषद बनी उसमें कांग्रेस नेताओं के अलावा अनेक गैर-कांग्रेसी भी शामिल किए गए थे। इनमें भाजपा के पूर्व अवतार जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी भी शामिल थे जो उस समय हिन्दू महासभा के प्रमुख नेता थे। मुखर्जी के अलावा डॉ अम्बेडकर को भी मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया था। चूंकि मंत्रिपरिषद का स्वरूप पूरी तरह से राष्ट्रीय था इसलिए यह कहना अनुचित है कि विभाजन इसलिए स्वीकार किया गया क्योंकि नेहरू को सत्ता हासिल करने की जल्दी थी। मूल रूप से जून 1948 में अंग्रेज भारत छोड़कर जाने वाले थे। इस बीच तत्कालीन वाईसराय माउंट बेटन लंदन गए। वे वहां से 3 जून 1947 को वापिस आए। वापिस आने के तुरंत बाद उन्होंने ऑल इंडिया रेडियो पर विभाजन की योजना घोषित की। अगले दिन माउंट बेटन ने पत्रकार वार्ता आयोजित की। पत्रकार वार्ता में उन्होंने घोषणा की कि अब ब्रिटेन जून 1948 के स्थान पर 15 अगस्त, 1947 को भारत को आजाद कर देगा। यह भी ज्ञात हुआ कि आजादी देने की तिथि में परिवर्तन करने का फैसला स्वयं माउंटबेटन का था। इस तरह यह स्पष्ट है कि भारत के विभाजन की तिथि का निर्णय ब्रिटेन का था न कि नेहरू व अन्य कांग्रेस नेताओं का। माउंटबेटन की सोच थी चूंकि विभाजन का फैसला हो चुका है इसलिए उसका क्रियान्वयन करने में देरी न हो। यदि देरी होती है तो पूरे देश में साम्प्रदायिक हिंसा की आग फैल जाएगी। देरी के चलते लाखों लोग मारे जा सकते हैं। शीघ्र आजाद करने का एक और प्रमुख कारण था। जैसा कि ज्ञात है कि हिन्दुस्तान के कुछ हिस्सों पर ब्रिटेन पर सीधा शासन था। वहीं कुछ हिस्सों पर ब्रिटेन ने राजा-महाराजाओं के माध्यम से शासन किया था। अब चूंकि ब्रिटेन अपना शासन समाप्त कर रहा था इसलिए देश के उन हिस्सों की सत्ता हिन्दुस्तान में कांग्रेस को सौंपी जाएगी और पाकिस्तान में मुस्लिम लीग को सौंपी जाएगी जहां ब्रिटेन का सीधा शासन था। और जहां तक उन क्षेत्रों का सवाल है जहां राजा-महाराजा और नवाबों का शासन था, 15 अगस्त, 1947 के बाद वे स्वतंत्र हो जाएंगे। यदि वे स्वतंत्र नहीं रहना चाहते तो वे भारत या पाकिस्तान में शामिल हो सकते हैं। यदि वे स्वतंत्र रहने का फैसला करते हैं तो आजाद भारत में सैकड़ों छोटे-छोटे देश अस्तित्व में आ जाएंगे। विभाजन को शीघ्र करने का एक और कारण देश का बालकेनाईजेशन रोकना था। ऐसे राजे-रजवाड़ों की संख्या 500 से ज्यादा थीं यदि ये सब आजाद होने का फैसला कर लेते तो भारत एक

देश के रूप में अस्तित्व ले ही नहीं पाता। गांधी, नेहरू और पटेल इस बारे में पुख्ता निर्णय लेना चाहते थे। वे इस मामले में ठोस निर्णय चाहते थे। इसलिए इस गंभीर प्रश्न को लेकर नेहरू व पटेल 9 जुलाई, 1947 को माउंटबेटन से मिले। उन्होंने माउंटबेटन से कहा कि वे इन राज्यों के भारत से संबंध के मुद्दे की समस्या को हल करने में क्या निर्णायक पहल कर सकते हैं। माउंटबेटन ने कहा कि वे स्वयं इस मामले को सुलझाना चाहते हैं और यह उनके उच्च प्राथमिकता वाले कार्यों में शामिल है। उसी दिन इस मामले पर चर्चा के लिए गांधीजी भी माउंटबेटन से मिले। माउंटबेटन ने गांधीजी से हुई वार्ता को स्वयं रिकार्ड किया। गांधीजी ने कहा कि वे पूरी गंभीरता और दृढ़ता ये इस मामले में निर्णय लें। वे यह सुनिश्चित करें कि राजे-महाराजे और नवाब स्वयं को आजाद घोषित न कर पाए। माउंटबेटन ने इस संबंध में पूरी दृढ़ता से निर्णय लिया। उन्होंने दिनांक 25 जुलाई को चेम्बर ऑफ प्रिन्सेस की बैठक बुलाई। माउंटबेटन ने कहा कि ब्रिटेन ने भारत की स्वतंत्रता के संबंध में बनाए गए कानून के द्वारा राजे-रजवाड़ों को ब्रिटेन से हर प्रकार से मुक्त कर दिया है। वे तकनीकी दृष्टि से पूरी तरह से आजाद हैं। ब्रिटेन से उनके सभी संबंध टूट गए हैं। यदि उनके स्थान पर नए संबंध नहीं बनाए जाते तो उसका नतीजा पूरी तरह अव्यवस्था और अराजकता होगा। इस अव्यवस्था का सीधा प्रभाव राज्यों पर पड़ेगा।माउंटबेटन ने उन्हें सलाह दी कि वे नवनिर्मित होने वाले उस देश से अपने संबंध स्थापित कर लें जिसके वे भौगोलिक दृष्टि से सबसे ज्यादा नजदीक हैं। आप अपने पड़ोसी देश से संबंध बनाए बिना अस्तित्व में नहीं रह सकते। उसी तरह आप अपनी प्रजा से दूर नहीं रह सकते हैं क्योंकि उसकी खुशहाली के लिए आप प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आगे कहा कि आप अपनी प्रतिरक्षा स्वयं नहीं कर सकते। जहां तक विदेशी संबंधों का सवाल है आपके पास इतने साधन नहीं होंगे कि आप विदेशों में अपने राजदूत भेज सकें। जहां तक आवागमन व संचार साधनों का सवाल है। आप इन क्षेत्रों में पूरी तरह से आत्मनिर्भर नहीं हो सकेंगे। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस का स्पष्ट ऑफर है जिसके अनुसार वे आंतरिक मामलों में स्वायत्ता प्राप्त कर सकें और वे ऐसे क्षेत्रों में उन पर निर्भर हो सकें जिन्हें संभालने की क्षमता उनमें न हो। माउंटबेटन ने अपने भाषण से स्थिति को काफी हद तक स्पष्ट कर दिया। वह उनका शायद सर्वाधिक साहसी निर्णय था। माउंटबेटन ने स्पष्ट कर दिया कि राजे-महाराजों को ब्रिटेन का संरक्षण प्राप्त नहीं होगा और आजाद होना मृगतृष्णा के समान है। माउंटबेटन के स्पष्ट रवैये से राजे-महाराजों के सामने साफ हो गया कि वे किसी भी हालत में आजाद नहीं रह सकते हैं। चौम्बर्स की बैठक के बाद माउंटबेटन लगातार राजे-महाराजों पर दबाव बनाए रहे कि वे विलय पत्र पर हस्ताक्षर कर दें। यदि वे 15 अगस्त, 1947 के पहले भारत में शामिल होने की सहमति दे देते हैं तो वे उन्हें भारत से अच्छी सुविधाएं और विलय की शर्त दिलवा देंगे। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें विस्फोटक स्थिति का सामना करना होगा जिसमें उनकी जनता का आक्रोश भी शामिल होगा।माउंटबेटन के सहयोग से और सरदार पटेल की कुशलता तथा नेहरू द्वारा बार-बार जन- आक्रोश की संभावना बताने से अधिकांश राजे-महाराजे भारत में शामिल हो गए। इन घटनाक्रमों से बिल्कुल स्पष्ट है कि यदि विभाजन से उत्पन्न समस्याओं का निराकरण दुरुतगति से नहीं होता तो जिस रूप में हमारा देश आज है वह हमें हासिल नहीं होता। यह भी साफ है कि यदि विभाजन जून 1948 तक रोका जाता तो हम एक मजबूत इकाई के रूप में नहीं उभर पाते। यदि ऐसा करते तो राजे-महाराजों को दुनिया भड़काकर और सहायता के झूठे वायदे करके हमें अनेक भौगोलिक इकाईयों में बांट देते। इस तरह की स्थिति उत्पन्न नहीं होने देना नेहरू, पटेल और कांग्रेस के अन्य नेताओं का एकमात्र देशभक्तिपूर्ण उद्देश्य था।

देश में बढ़ते कैंसर के गंभीर संकेत

बीते 20-25 वर्षों से कहता आया हूं कि 2020 तक कैंसर को लेकर बहुत ही आश्चर्यजनक आंकड़ा आनेवाला है. देश में अगर कैंसर के मामले ऐसे ही बढ़ते रहे, तो हिंदुस्तान पूरे विश्व के कैंसर की राजधानी बन जायेगा. सबसे ज्यादा तंबाकू से होनेवाले कैंसर के मामले भारत में दर्ज किये जायेंगे. कैंसर का एक बड़ा कारण जीवनशैली है. अब आइसीएमआर की रिपोर्ट आने के बाद इस बात की जोर-शोर से चर्चा हो रही है. हालांकि, आंकड़ों से आंशिक सहमत हूं. यह आंकड़ा 12 प्रतिशत की बजाय अधिक हो सकता है. भारत में कैंसर के सभी मामले पारदर्शिता से दर्ज नहीं हो रहे हैं. कस्बों और छोटे शहरों के मामले बड़े शहरों में नहीं पहुंचते. आइसीएमआर की रिपोर्ट में दर्ज आंकड़े बड़े शहरों या कैंसर के निर्धारित अस्पतालों से लिये जाते हैं. छोटे शहरों में कैंसर मरीज ऑपरेशन, कीमो या रेडिएशन लेता है, कई बार तो उचित इलाज नहीं मिल पाने से उसकी मौत हो जाती है, पर ऐसे मामलों की वास्तविक स्थिति का सही अंदाजा नहीं लग पाता है. तंबाकू कैंसर का एक मुख्य कारण है. रिपोर्ट में इसे 27 प्रतिशत बताया गया है. संभव है कि यह 30 प्रतिशत से ज्यादा हो. तंबाकू की वजह से मुंह, गले, फेफड़े, आहार नली, ब्लड कैंसर हो रहे हैं. वायुप्रदूषण भी फेफड़े के कैंसर का कारण बन रहा है. धूम्रपान नहीं करनेवालों के लिए भी यह चिंताजनक है. मिट्टी और जल प्रदूषण की वजह से आजकल सब्जियां और खाद्य पदार्थ विषाक्त हो रहे हैं. सब्जियों में आर्सेनिक, कैडमियम, मरकरी, लेड की मात्रा आ रही है, क्योंकि सिंचाई के पानी में फैक्ट्रियों और रसायनों की गंदगी खेतों में पहुंच रही है. अच्छी जीवनशैली, हरी सब्जियां खाने और कोई नशा नहीं करने के बावजूद भी लोग इस बीमारी का शिकार हो रहे हैं. एक बड़ा कारण घर से लेकर वातावरण तक फैला प्लास्टिक भी है. इसमें जीएसए कैंसर का कारण बनता है. आजकल फास्टफूड, पिज्जा, बर्गर आिद खाने का चलन बढ़ रहा है. इनमें सैचुरेटेड फैट होता है. भारतीय खाने की तरह में इसमें फाइबर नहीं होता है. इससे आंत का कैंसर, महिलाओं में स्तन का कैंसर, पुरुषों में प्रोस्टेट का कैंसर होने लगा है. मेलामाइन से बननेवाला नकली दूध भी खतरनाक है. तरह-तरह के केमिकल मानव शरीर में पहुंच रहे हैं. कैंसर घातक बीमारी जरूर है, लेकिन इसे रोका भी जा सकता है. क्या हम तंबाकू को पूरे देश में बंद नहीं कर सकते हैं? तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, सुपारी, गुटखा, जिस भी रूप में तंबाकू उत्पाद है, उसे तत्काल बंद कर देना चाहिए.

जिनका ये तर्क है कि तंबाकू किसानों को इससे नुकसान हो जायेगा, तो उसका विकल्प दलहन या आलू की खेती हो सकती है. तंबाकू की बजाय अन्य जगह निवेश करने की आवश्यकता है. तंबाकू के अर्थशास्त्र को अगर समझें, तो तंबाकू के उत्पादों से जितना रेवेन्यू सरकार को मिलता है, उससे कई गुना ज्यादा देश को इससे होनेवाली बीमारी पर खर्च करना पड़ता है. यह खर्च चाहे सरकार करे या मरीज अपनी जेब से करे. अगर हम इस बीमारी को रोकने के लिए खर्च को बचा सकते हैं, तो देश को इससे बड़ा फायदा होगा.

दूसरा, अगर हम खाद्य पदार्थों में होनेवाली मिलावट को रोक दें या सब्जियों का आदि की टेस्टिंग होने लगे, तो कोई भी ऐसी जगह से उगा कर सब्जियां नहीं बेचेगा, जहां की मिट्टी और पानी जहरीला है. कई छोटे देशों में इसे बड़ा अपराध माना जाता है. यह कानूनी और नैतिक तौर पर भी बड़ा अपराध है. हमारे यहां खाने में मिलावट की वजह से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हो रही है. हम इससे बचाव कर सकते हैं, लेकिन उपाय नहीं हो रहा है. आजादी के इतने वर्षों बाद भी देश में कैंसर को रोकने और जागरूकता के लिए कोई अभियान नहीं है और न ही धरातल पर कोई प्रभावी कार्य किया जा रहा है.

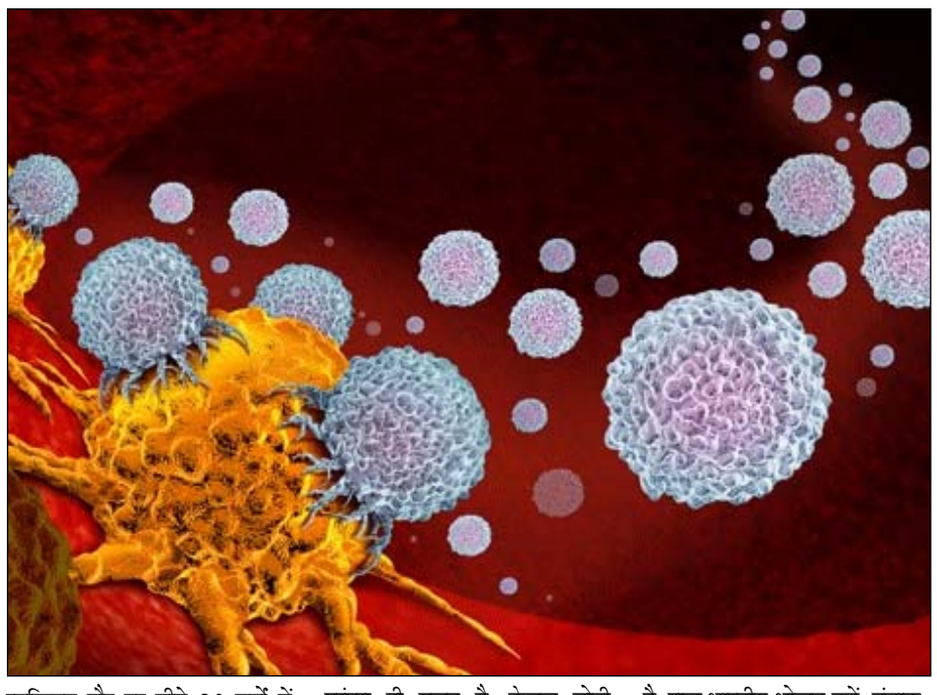

व्यक्तिगत तौर पर बीते 20 वर्षों में जागरूकता की इस कोशिश में लगा हूं. कैंसर पीड़ित मरीज का दर्द बहुत हृदय विदारक होता है. वह जीवन बचाने की गुहार लगाता है. कैंसर का ऑपरेशन करके सफलता के बजाय मैं इसको रोकने में अपनी सफलता मानता हूं. इसे रोकने के लिए पेपर पर तो काम किया गया है, लेकिन जमीन पर कोई कारगर उपाय नहीं किया गया. कैंसर कारक तत्वों का सेलिब्रिटी द्वारा प्रचार करने की परंपरा ही गलत है. केवल छोटी चेतावनी लिख देना पर्याप्त नहीं है. तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम चलता है, जिसमें आप लोगों से तंबाकू नहीं खाने की बात करते हैं. इससे आसान है कि इसे आप प्रतिबंधित कर दीजिए. साथ ही इसके बचाव के लिए जरूरी है कि नियमित भोजन, उचित नींद, शारीरिक व्यायाम, नशे की वस्तुओं से दूरी यानी आहार, व्यवहार और विचार तीनों ही चीजों में सकारात्मक बदलाव की जरूरत है. शुद्ध भारतीय भोजन करें. तंबाकू, सिगरेट, शराब से दूर रहें. जल्दी जगें, व्यायाम करें, प्लास्टिक के बर्तनों के इस्तेमाल से बचें, साफ सफाई का ध्यान रखें. महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर गंदगी के कारण होता है. सही विचार रखें यानी तनाव मुक्त रहें. यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तौर पर कैंसर का कारण बनता है. आहार, विचार और व्यवहार को सही रखें, तो कैंसर जैसी बीमारी को बिल्कुल रोक सकते हैं.

मैदान से होगी महेंद्र सिंह धोनी की विदाई

हम हमेशा से ही धोनी के लिए एक फेयरवेल मैच कराना चाहते थे, लेकिन धोनी एक अलग तरह के खिलाड़ी हैं।

कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की तारीफ में बांधे तारीफों के पुल

नयी दिल्ली एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया। इस मौके पर कई जानी-मानी हस्तियों ने उनके करियर की तारीफ की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पत्र लिखकर धोनी की सराहना की। धोनी ने ट्विटर पर पीएम मोदी का इसके लिए शुक्रिया अदा किया है। धोनी ने ट्वीट किया, 'एक कलाकार, सैनिक और खिलाड़ी को प्रशंसा की कामना होती है। वे चाहते हैं कि उनकी मेहनत और बलिदान को सभी पहचानें। शुक्रिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आपकी ओर से मिली प्रशंसा और शुभकामनाओं के लिए। 'मोदी ने धोनी के नाम इस चिट्ठी में लिखा कि आपमें नए भारत की आत्मा झलकती है, जहां युवाओं की नियति उनका परिवार का नाम तय नहीं करता है, बल्कि वे अपना खुद का मुकाम और नाम हासिल करते हैं। मोदी ने धोनी को लिखा, '15 अगस्त को आपने अपने सादे अंदाज में एक छोटा वीडियो साझा किया जो पूरे देश में एक लंबी और जुनूनी बहस के लिए काफी था। 130 करोड़ भारतीय निराश हैं लेकिन साथ ही जो आपने पिछले डेढ़ दशक में भारत के लिए किया उसके लिए आपके आभारी भी हैं।' मोदी ने आगे लिखा, 'आपके करियर को देखने का एक तरीका आंकड़ो के चश्मे से

देखने का है। आप भारतीय क्रिकेट के सबसे कामयाब कप्तानों में शामिल हैं। भारत को दुनिया में चोटी की टीम बनाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। क्रिकेट के इतिहास में आपका नाम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में, सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में और निस्संदेह सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर्स में आएगा। 'उन्होंने आगे लिखा, 'मुश्किल हालात में आप पर निर्भरता और मैच को खत्म करने का आपका स्टाइल, खास तौर पर 2011 वर्ल्ड कप फाइनल, पीढ़ियों तक लोगों को याद रहेगा।'

नई दिल्ली एजेंसी।

पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने स्वतंत्रता दिवस की शाम को अचानक से इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी। वे पिछले एक साल से टीम से बाहर थे। इस फैसले के बाद खेल जगत के कई दिग्गज और माही के फैंस लेजेंड के लिए एक फेयरवेल मैच की मांग कर रहे हैं। इस पर बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि बोर्ड धोनी के लिए फेयरवेल मैच कराने की तैयार कर रहा है। इसके लिए उनसे बात की जा रही है। यदि वे नहीं माने तो हमारे पास प्लान बी भी है, यानी उनके लिए एक सम्मान समारोह जरूर रखा जाएगा। धोनी के साथ एक घंटे बाद ही उनके करीबी दोस्त सुरेश रैना ने भी रिटायरमेंट ले लिया था। बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, अभी भारतीय टीम की कोई इंटरनेशनल सीरीज नहीं है। आईपीएल के बाद हम कुछ कर सकते हैं, क्योंकि धोनी ने देश के लिए बहुत कुछ किया है। वे हर एक सम्मान के हकदार हैं। हम हमेशा से ही धोनी के लिए एक फेयरवेल मैच कराना चाहते थे, लेकिन धोनी एक अलग तरह के खिलाड़ी हैं। उन्होंने अचानक रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया। कोई भी यह नहीं सोच सकता था कि वे ऐसा फैसला इतनी जल्दी लेंगे। सीनियर अधिकारी के मुताबिक, अभी तक धोनी ने किसी अधिकारी से कोई बात की है? इस सवाल पर अधिकारी ने कहा, नहीं, लेकिन यह पक्का है कि हम आईपीएल के दौरान उनसे बात जरूर करेंगे। उनकी सहमति के बाद सही जगह पर एक मैच या सीरीज जरूर कराएंगे। चाहे वे मानें या नहीं, हम उनके लिए एक सम्मान समारोह कराएंगे। महेंद्र सिंह धोनी का सम्मान करना हमारे लिए गर्व की बात होगी।''इससे पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर मदनलाल ने भी लेजेंड विकेटकीपर के लिए सम्मान समारोह कराए जाने की बात कही थी। उन्होंने कहा था, यदि बीसीसीआई धोनी के लिए फेयरवेल मैच कराती है, तो मुझे सबसे ज्यादा खुशी होगी। वह एक महान खिलाड़ी है। उसे आप ऐसे ही नहीं जाने दे सकते हैं। माही के फैंस उन्हें फिर से खेलते हुए देखना चाहते हैं।''

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उमर अकमल के बैन को कम करने के फैसले को खेल पंचाट में दी चुनौती

कराची एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने स्वतंत्र निर्णायक द्वारा बल्लेबाज उमर अकमल के तीन साल के प्रतिबंध में कटौती करने के फैसले को लुसाने में खेल पंचाट में चुनौती दी है। पीसीबी के मुख्य संचालन अधिकारी सलमान नसीर ने इसकी पुष्टि की। नसीर ने कहा, स्वतंत्र निर्णायक के फैसले को चुनौती देने का फैसला हमारे लिए काफी मुश्किल था, लेकिन अंतिम रिपोर्ट पढ़ने के बाद हमें कुछ चिंताएं थीं और हमने महसूस किया कि सजा पर्याप्त नहीं थी, क्योंकि उमर के खिलाफ भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन के दो आरोप थे। पीसीबी के स्वतंत्र निर्णायक उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) फाकिर मुहम्मद खोकर ने 2020 में पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से पहले दो भ्रष्ट संपर्क की सूचना देने में विफल रहने पर उमर पर लगे तीन साल के प्रतिबंध को 29 जुलाई को घटाकर 18 महीने का कर दिया था। उमर ने बोर्ड के अनुशासन पैनल द्वारा अप्रैल में लगाए तीन साल के प्रतिबंध के खिलाफ अपील की थी जिस पर खोकर ने फैसला सुनाया था। नसीर ने कहा, हमने खेल पंचाट में अपील दायर करने का फैसला किया, क्योंकि जब हमने स्वतंत्र निर्णायक के फैसले को देखा तो उन्होंने लिखा था कि वह टेस्ट बल्लेबाज के आचरण से संतुष्ट नहीं हैं और यह साबित हुआ है कि टेस्ट बल्लेबाज के बयान विरोधाभासी हैं और विश्वसनीय नहीं हैं।

केकेआर के कोच ब्रेंडन मैकुलम बोल युवा खिलाड़ी नेतृत्व समूह में होगा शामिल

मैं विश्वास करता हूं कि यह जरूरी नहीं कि एक अच्छा लीडर बनने के लिए खिलाड़ी ज्यादा लंबा खेले।

कोलकाता | एजेंसी।

आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा है कि टीम के युवा खिलाड़ी शुभमन गिल इस साल नेतृत्व समूह में शामिल होंगे। आईपीएल इस साल 19 सितंबर से 10 नवंबर तक संयुक्त राष्ट्र अमीरात (यूएई) में होना है। केकेआर की टीम कप्तान दिनेश कार्तिक और उपकप्तान इयोन मोर्गन के नेतृत्व में इस टूर्नामेंट में उतरेगी।

केकेआर ने दो बार आईपीएल का खिताब जीता है। मैकुलम ने कहा कि शुभमन में प्रतिभा है और वह एक अच्छा लड़का भी है। वह इस साल हमारे नेतृत्व समूह का हिस्सा भी होगा। वह युवा है, लेकिन मैं विश्वास करता हूं कि यह जरूरी नहीं कि एक अच्छा लीडर बनने के लिए खिलाड़ी ज्यादा लंबा खेले।

उन्होंने कहा कि यह आप पर है कि आप अपने लीडर के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं। यह हमेशा अच्छा होता है कि आपकी टीम में और भी लीडर हों। हमारे लिए शुभमन वो खिलाड़ी है।

कोच ने कहा कि मैं कार्तिक के साथ काम करने के

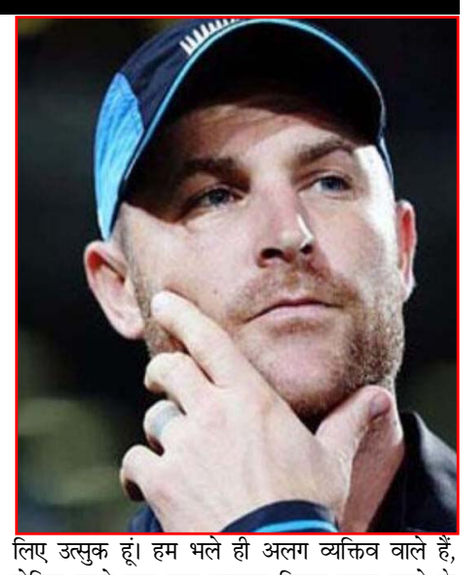

लिए उत्सुक हूं। हम भले ही अलग व्यक्तिव वाले हैं, लेकिन हमारे पास कुछ सामान्य विचार साझा करने के लिए है। मेरे ख्याल से वक्त बताएगा, लेकिन हमारा लक्ष्य तय है और हमें उम्मीद है कि हम मेहनत करके इस साल बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

दुबई पहुंची आई.पी.एल. टीम

नयी दिल्ली एजेंसी।

आईपीएल 2020 के लिए किंग्स इलेवन पंजाब की टीम गुरुवार को दुबई रवाना हो गई है। टीम के सीनियर तेज गेंजबाज मोहम्मद शमी समेत कई खिलाडियों ने अपनी इस विमान यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। आईपीएल के इस सत्र के लिए किंग्स इलेवन पंजाब ने सबसे पहले यूएई में डेरा डाला है। अब एक-एक कर बाकी टीमें भी वहां की ओर कूच करेंगी।

19 सितंबर से इस टूर्नामेंट की शुरुआत हो रही है। इस बार यह लीग बायो सिक्योर बबल में खेली जाएगी, जहां खाली स्टेडियमों में खिलाडियों को अपने सभी मैच खेलने होंगे। किंग्स इलेवन पंजाब की टीम यहां विस्तारा एयरलाइन से पहुंची है। किंग्स की टीम ने नई दिल्ली दुबई के लिए यह उड़ान ली। टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टीम के साथ इस यात्रा की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। सभी खिलाडियों ने मुंह पर मास्क पहने हुए हैं।

लियोनल मेसी के भविष्य पर सवालिया निशान बार्सिलोना में मची उथल-पुथल

बार्सिलोना, एजेंसी। चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में बायर्न म्यूनिख के खिलाफ शर्मनाक हार के बाद बार्सिलोना में उथल-पुथल मची है। अपने ढांचे में बड़े पैमाने पर बदलाव का वादा करने वाला बार्सिलोना नए कोच की घोषणा करने के करीब है, जबकि अगले साल उसे नया अध्यक्ष भी मिल सकता है। इस बीच एक बड़ा सवाल यह है कि क्या टीम स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी को अपने साथ जोड़कर रख पाएगी या नहीं।

एक दशक से अधिक समय तक टीम के सबसे बड़े स्टार रहे मेसी का बार्सिलोना के साथ अनुबंध 2021 तक है, लेकिन वह क्लब के साथ अपने असंतोष को छिपा नहीं रहे हैं। बार्सिलोना के अध्यक्ष जोसेप बारटोम्यू ने कहा, मैंने अब तक मेसी से बात नहीं की है, लेकिन उनके पिता से बात की है। उन्होंने कहा, बाकी सब की तरह मेसी भी निराश और हताश है। यह पीड़ादायक था, लेकिन हमें खुद को संभालना होगा। हम सभी को ऐसा करना होगा।

बॉलीवुड

अथिया शेट्टी की इस तस्वीर पर क्रिकेटर केएल राहुल ने लिखा कुछ ऐसा

अभिनेत्री अथिया शेट्टी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इस बीच उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्विमसूट में अपनी एक तस्वीर शेयर की है। अथिया की इस पोस्ट पर फैंस से लेकर उनके दोस्तों ने कमेंट किया है। हालांकि उनके कथित बॉयफ्रेंड क्रिकेटर केएल राहुल के कमेंट की चर्चा सबसे ज्यादा हो रही है। इस तस्वीर के साथ अथिया ने पर्पल हर्ट इमोजी शेयर की है। उनके तमाम इंडस्ट्री के दोस्तों ने शानदार या स्टनर कमेंट किया है। वहीं उनके कथित बॉयफ्रेंड केएल राहुल ने कमेंट बॉक्स में लिखा- जेफा । जिसका मतलब बॉस होता है। ऐसी अफवाह है कि अथिया शेट्टी और केएल राहुल एक-दूसरे को लंबे समय से डेट कर रहे हैं। दोनों अक्सर एक-दूसरे की पोस्ट लाइक करने के साथ उनपर कमेंट भी करते हैं। इस साल अप्रैल में, अथिया ने फोटोग्राफर साशा जयराम के साथ एक फोटोशूट की एक तस्वीर साझा की थी। जिसमें एक वीडियो कॉल के दौरान उनके साथ स्क्रीनशॉट लिए थे। इसे शेयर करते हुए अथिया ने लिखा था- साशा जयराम के साथ पार्टी। राहुल ने अथिया की इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा था- नाइस शर्ट और उसके बाद इमोजी का इस्तेमाल किया था, जो इशारा करता है कि शर्ट उनकी थी।वहीं लॉकडाउन के दौरान अथिया ने केएल राहुल संग तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था- माय पर्सन। अथिया ने केएल राहुल के जन्मदिन पर उनके साथ एक तस्वीर साझा की थी। जिसमें अथिया के कंधे पर केएल राहुल सिर रखे हुए नजर आ रहे थे। वहीं सुनील शेट्टी ने अथिया के रिलेशनशिप पर कहा था, मेरा तो कोई रिलेशनशिप नहीं है। आपको (मीडिया) इस बारे में अथिया से सवाल पूछना चाहिए। अगर यह सच है तो मुझे बताएं, मैं इस बारे में बात करुंगा। अगर आपको नहीं पता तो आप मुझसे कैसे पूछ सकते हैं? वर्कफ्रंट की बात करें तो अथिया शेट्टी को आखिरी बार मोतीचूर चकनाचूर में देखा गया था। इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी अहम भूमिका थे।

सुशांत केस में रिया चक्रवर्ती पर औकात वाले बयान पर बिहार के DGP ने दी सफाई

सुशांत सिंह राजपूत केस में रिया चक्रवर्ती पर अपने बयान औकात पर सोशल मीडिया में ट्रोल होने के बाद बिहार के डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे ने अपनी सफाई दी है। डीजीपी ने एक बयान में कहा कि औकात का अंग्रेजी में मतलब कद से है। और रिया चक्रवर्ती का ऐसा कद नहीं है कि वह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कोई कमेंट कर सके। कहा कि उसे नहीं भूलना चाहिए कि वह सुशांत सिंह राजपूत केस में नामजद आरोपी है। जो केस मेरे पास था और अब सीबीआई के पास है। डीजीपी ने कहा कि अगर कोई राजनीतिक नेता बिहार के सीएम पर टिप्पणी करता है तो मैं इस पर टिप्पणी करने वाला कोई नहीं हूं। लेकिन अगर कोई आरोपी बिहार के सीएम पर कुछ बेबुनियाद टिप्पणी करता है तो यह आपत्तिजनक है। रिया चक्रवर्ती की टिप्पणी अनुचित थी उसे अपनी लड़ाई कानूनी रूप से लड़नी चाहिए। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट में सुशांत सिंह राजपूत केस के सीबीआई को सौंपे जाने बाद डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे से रिया चक्रवर्ती के सीएम पर टिप्पणी को लेकर सवाल के जवाब में कहा था कि- रिया चक्रवर्ती की औकात नहीं है मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर टिप्पणी करने की। डीजीपी के इस बात पर जहां उन्हें कई लोगों का समर्थन मिला था वहीं उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल भी किया गया था। रिया चक्रवर्ती सहित दस लोग सीबीआई की जांच की जद में होंगे। इनमें रिया चक्रवर्ती के अलावा उनका भाई शौविक चक्रवर्ती, पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती, कर्मी सैमुअल मिरांडा, दोस्त सिद्धार्थ पिठानी, कुक नीरज, सुशांत की पूर्व मैनेजर श्रुती मोदी, रिया की मां संध्या चक्रवर्ती शामिल हैं। इनमें सिद्धार्थ पिठानी मुंबई छोड़कर हैदराबाद में रह रहा है जबकि बाकी के लोग मुंबई में ही हैं। पूछताछ के दौरान इन लोगों से सीबीआई की टीम कुछ अहम कागजात की मांग भी कर सकती है।

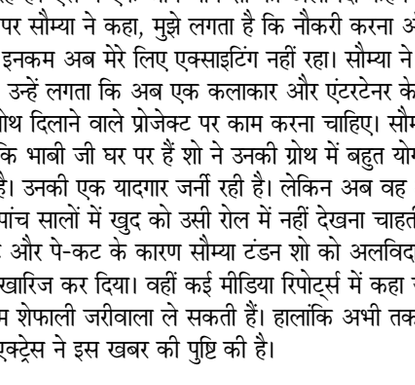

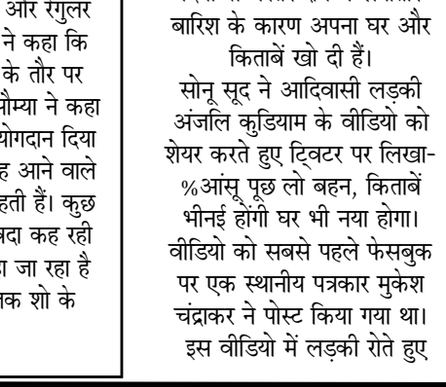

फिल्म के फ्लॉप होने के बाद सारा अली खान ने कर लिया था ब्रेकअप

सारा अली खान ने फिल्म केदारनाथ से सुशांत सिंह राजपूत के साथ बॉलीवुड डेब्यू किया था। फिल्म में दोनों स्टार्स के बीच की केमेस्ट्री और एक्टिंग लोगों को खूब पसंद आई थी। वहीं अब दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के दोस्त सैमुअल हाओकिप ने आरोप लगाया है कि सारा और सुशांत ऑफ स्क्रीन भी प्यार में थे। केदारनाथ फिल्म की शूटिंग और रिलीज के दौरान सुशांत और सारा के डेटिंग की अफवाह थी। हालांकि अब सुशांत के दोस्त ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि वे प्यार में थे। लेकिन साल 2019 में रिलीज हुई सुशांत की फिल्म सोनचिड़िया के बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होने के बाद सारा ने रिश्ता तोड़ लिया था।

सैमुअल ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा- मुझे याद है केदारनाथ के प्रमोशन के दौरान सारा और सुशांत प्यार में थे। दोनों के बीच एक-दूसरे को लेकर खूब सम्मान था, जो आजकल रिश्ते में कम देखने को मिलता है। सैमुअल ने आगे लिखा- सारा को सुशांत के साथ ही उनके परिवार के सभी लोगों के लिए सम्मान था। चाहे वह परिवार, दोस्त और यहां तक कर्मचारी हों। मुझे आश्चर्य है कि क्या सोनचिड़िया के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन के बाद सारा का सुशांत के साथ टूटने का फैसला बॉलीवुड माफिया के किसी भी दबाव के कारण लिया गया था। सुशांत सिंह राजपूत की निधन पर शोक जताते हुए सारा अली खान ने सोशल मीडिया पर सुशांत की तस्वीर शेयर की थी। इसके बाद सुशांत की आखिरी फिल्म दिल बेचारा की रिलीज पर सारा ने सैफ और सुशांत के साथ तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की थी।

सौम्या टंडन छोड़ रहीं भाबी जी घर पर हैं शोटीवी शो

भाबी जी घर पर हैं के कैरेक्टर अनीता भाभी उर्फ गोरी मेम से लोगों का दिल जीतने वालीं एक्ट्रेस सौम्या टंडन शो को अलविदा कह रही हैं। करीब 5 सालों तक शो का हिस्सा रहने के बाद सौम्या का सेट पर 21 अगस्त 2020 को आखिरी दिन होगा। तमाम अफवाहों के बाद एक्ट्रेस ने शो छोड़ने का कारण खुद बताया है। टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में सौम्या टंडन ने कहा, हां मैंने अपना कॉन्ट्रैक्ट नहीं बढ़वाने का फैसला लिया है। 21 अगस्त 2020 मेरी शूटिंग का आखिरी दिन होगा। मैं शो छोड़ रही या नहीं, आखिरकार अब लोग बातें बनाना बंद कर देंगे। कोरोना काल में जहां कई एक्ट्रेस अपनी नौकरी से हाथ धो रहे हैं। ऐसे में एक जाने-माने शो को अलविदा कहने के सवाल पर सौम्या ने कहा, मुझे लगता है कि नौकरी करना और रेगुलर इनकम अब मेरे लिए एक्साइटिंग नहीं रहा। सौम्या ने कहा कि उन्हें लगता कि अब एक कलाकार और एंटरटेनर के तौर पर ग्रोथ दिलाने वाले प्रोजेक्ट पर काम करना चाहिए। सौम्या ने कहा कि भाबी जी घर पर हैं शो ने उनकी ग्रोथ में बहुत योगदान दिया है। उनकी एक यादगार जर्नी रही है। लेकिन अब वह आने वाले पांच सालों में खुद को उसी रोल में नहीं देखना चाहती हैं। कुछ वक्त पहले ऐसी अफवाहें थी कि कोरोना संकट और पे-कट के कारण सौम्या टंडन शो को अलविदा कह रही हैं। हालांकि एक्ट्रेस ने इस सभी अफवाहों को खारिज कर दिया। वहीं कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि शो में सौम्या की जगह बिग बॉस 13 फेम शेफाली जरीवाला ले सकती हैं। हालांकि अभी तक शो के निर्माता और न ही एक्ट्रेस ने इस खबर की पुष्टि की है।

बाढ़ में सबकुछ तबाह होने से फूट-फूटकर रोती लड़की की मदद के लिए आगे आए सोनू सूद

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद सोशल मीडिया पर गुहार लगाने वाले लोगों की मदद के लिए आगे आते रहे हैं। अब उन्होंने बस्तर क्षेत्र के गंभीर रूप से माओवाद प्रभावित बीजापुर जिले में एक आदिवासी लड़की की मदद के लिए आगे आए हैं। लड़की ने पिछले पांच दिनों से बस्तर क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण अपना घर और किताबें खो दी हैं।

सोनू सूद ने आदिवासी लड़की अंजलि कुडियाम के वीडियो को शेयर करते हुए ट्विटर पर लिखा- %आंसू पूछ लो बहन, किताबें भीनई होंगी घर भी नया होगा। वीडियो को सबसे पहले फेसबुक पर एक स्थानीय पत्रकार मुकेश चंद्राकर ने पोस्ट किया गया था। इस वीडियो में लड़की रोते हुए नजर आ रही है क्योंकि घर और किताबें लगातार बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गई हैं। एक स्थानीय अधिकारी ने कहा, %लड़की के पिता एक किसान हैं और उनकी 5 एकड़ जमीन भी है लेकिन बारिश के कारण फसल खराब हो गई है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी लड़की की मदद के लिए आगे आए हैं और अधिकारियों को लड़की की मदद करने का निर्देश दिया है। बुधवार को कलेक्टर रितेश अग्रवाल और स्थानीय विधायक विक्रम मंडावी ने अंजलि को घर बनाने के लिए 1.1 लाख रुपये का चेक दिया है। वहीं जिला सरकार अपने नर्सिंग कॉलेज प्रवेश की तैयारी के लिए लड़की को किताबें भी प्रदान करेगी। आपको बता दें कि बीजापुर और सुकमा सहित दक्षिण बस्तर जिले पिछले पांच दिनों से लगातार बारिश के कारण बुरी तरह प्रभावित हैं। भारी बारिश के कारण जिला प्रशासन हाई अलर्ट पर है और इन इलाकों के गांवों में बाढ़ की वजह से राहत शिविरों और अन्य सुरक्षित स्थानों पर 500 से अधिक लोगों को ले जाया गया है।

अधिकारियों के मुताबिक, सुकमा में सामान्य से 781 मिमी के मुकाबले 916 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि बीजापुर में जून के बाद सामान्य 942 मिमी के मुकाबले 1, 647 मिमी बारिश हुई। अधिकारियों ने बताया कि बारिश के कारण बीजापुर में करीब 120 घर ढह गए। 1,000 लोग अब तक राहत शिविरों में पहुंचाए गए हैं।

डिस्कॉम को कर्ज सीमा में रियायत

● इनमें से 68,000 करोड़ रुपये स्वीकृत हो चुके हैं। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकार ने कहा कि पीएफसी और आरईसी ने समान मात्र में ऋण स्वीकृत किए हैं। और ब्याज दर 9 से 10 फीसदी के दायरे में है।

नई दिल्ली | एजेंसी।

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के लिए उधारी सीमा में ढील देने के प्रस्ताव पर आज मंजूरी दे दी। इस कदम से बिजली वितरण कंपनियां बिजली उत्पादकों एवं पारेषण कंपनियों को अपना बकाया चुकाने में सक्षम होंगी। बिजली वितरण कंपनियां उदय योजना के तहत पिछले साल की कार्यशील पूंजी का 25 फीसदी तक ही कर्ज ले सकती थीं। इस तरह के कर्ज वितरण कंपनियों के प्रदर्शन से जुड़े होते थे। यह व्यवस्था बिजली वितरण कंपनियों में वित्तीय अनुशासन लाने के लिए की गई थी। नियमों में ढील से अब वे कार्यशील पूंजी का 25 फीसदी से ज्यादा कर्ज ले सकती हैं। हालांकि इस कदम से पावर फाइनैंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन (आरईसी) का कर्ज पोर्टफोलियो और बढ़ जाएगा जबकि इन कंपनियों पर पहले से ही काफी दबाव है और कई रेटिंग एजेंसियों ने वॉच श्रेणी में रखा है। हाल ही में एसऐंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने पीएफसी की रेटिंग बीबी से घटाकर बीबीबी- कर दी थी। पीएफसी के कुल कर्ज आवंटन में बिजली वितरण क्षेत्र में 27 फीसदी लगा है, वहीं आरईसी का 44 फीसदी लोन बुक इस क्षेत्र में है। अप्रैल में दोनों कंपनियों के बोर्ड ने घाटे और उच्च एटीऐंडसी हानि वाली बिजली वितरण कंपनियों को कर्ज नहीं देने का प्रस्ताव किया था। लेकिन आत्मनिर्भर ऋण पैकेज के बाद इस प्रस्ताव को टाल दिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस पैकेज के तहत 90,000 करोड़ रुपये का ऋण प्रस्तावित किया गया है। इनमें से 68,000 करोड़ रुपये स्वीकृत हो चुके हैं। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकार ने कहा कि पीएफसी और आरईसी ने समान मात्र में ऋण स्वीकृत किए हैं। और ब्याज दर 9 से 10 फीसदी के दायरे में है। सरकार के बयान में कहा गया है, कमजोर मांग और आर्थिक गतिविधियों में नरमी के कारण बिजली क्षेत्र में नकदी की स्थिति में फिलहाल सुधार होने की उम्मीद नहीं है। ऐसे में बिजली आपूर्ति जारी रखने के लिए इस क्षेत्र को तत्काल नकदी की जरूरत है। इससे उन राज्यों को भी कर्ज मिल सकता है जो उदय योजनाके तहत तय सीमा से ज्यादा पहले ही कर्ज ले चुके हैं। इस योजना का लाभ उठाने के लिए संबंधित राज्या सरकार के विभागों को डिस्कॉम का पूरा बकाया चुकाना होगा, साथ ही राज्य को ऋणदाताओं को कर्ज के लिए गारंटी भी देनी होगी। जून 2020 तक डिस्कॉम पर 1.13 लाख करोड़ रुपये का बकाया था। इसके साथ ही मंत्रिमंडल ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से जयपुर, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम में हवाई अड्डों को पट्टे पर देने के प्रस्ताव को बुधवार को मंजूरी दे दी। फरवरी 2019 में प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के बाद पीपीपी मॉडल के माध्यम से अदाणी एंटरप्राइजेज ने छह हवाई अड्डों लखनऊ, अहमदाबाद, जयपुर, मंगलूरु, तिरुवनंतपुरम और गुवाहाटी के परिचालन के अधिकार हासिल किए थे।

एक नजर.....

आरकॉम के कर्जदाताओं ने सुप्रीम कोर्ट से स्पेक्ट्रम बिक्री की अनुमति मांगी

नई दिल्ली, आरकॉम के लिए भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व वाली ऋणदाताओं की समिति ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि अगर कंपनी के स्पेक्ट्रम की बिक्री की अनुमति नहीं मिली तो यह दूरसंचार कंपनी परिसमापन में चली जाएगी और इससे किसी का भला नहीं होगा। ऋणदाताओं की समिति ने न्यायालय से कहा कि आरकाम दिवाला और ऋण अक्षमता संहिता के तहत कार्यवाही की आड़ में समायोजित सकल राजस्व से संबंधित बकाया देने से भाग नहीं रही है, लेकिन इस दूरसंचार कंपनी पर बैंकों का 42 हजार करोड़ रुपये बकाया है। न्यायमूर्ति अरूण मिश्रा, न्यायमूर्ति एस.अब्दुल नजीर और न्यायमूर्ति एम.आर शाह की पीठ से आरकॉम के लिए ऋणदाताओं की समिति और रिलायंस जिओ की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कहा कि बैंक और दूरसंचार विभाग दोनों ही जनता के पैसे की अदायगी की मांग कर रहे हैं। साल्वे ने कहा, अगर स्पेक्ट्रम की बिकी की अनुमति नहीं दी गई तो आरकॉम खुद को परिसमापन के लिए जाते देखेगी और इससे किसी का भी भला नहीं होगा। इस पर पीठ ने कहा कि कारोबार के दिशा निर्देशों के तहत स्पेक्ट्रम की बिक्री की अनुमति है, लेकिन आईबीसी के तहत इसे कैसे बेचा जा सकता है। पीठ ने कहा कि समाधान के सारे लेन देन आईबीसी के अनुसार होने चाहिए और कारोबार के दिशानिर्देशों के अनुसार स्पेक्ट्रम की बिक्री से पहले सारी बकाया राशियों का हिसाब किताब करना होगा। पीठ ने साल्वे से कहा कि आईबीसी ने सरकार की बकाया रकम को बैंकों के बकाये के पीछे कर दिया है और फिर इस तरह की स्थिति में स्पेक्ट्रम बेचने के दिशानिर्देशों के अनुसार पहले की बकाया राशियों का भुगतान कैसे होगा? करीब दो घंटे की सुनवाई के दौरान साल्वे ने पीठ से कहा कि दूरसंचार विभाग की सहमति के बगैर स्पेक्ट्रम बेचने का सवाल ही पैदा नहीं होता है और अगर समाधान केआवेदक कहते हैं कि योजना में स्पेक्ट्रम के इस्तेमाल के अधिकार बेचना भी शामिल है तो यह दूरसंचार विभाग की मंजूरी से ही होगा। इस मामले में बहस अधूरी रही जो गुरुवार यानि आज भी रहेगी।

ऑनलाइन गणेशोत्सव की धूम

नई दिल्ली, कोरोना संक्रमण के कारण गणेशोत्सव पर्व पर लगी तमाम पाबंदियों ने ऑनलाइन कारोबार को निखरने का मौका प्रदान किया है। गणेश पूजा में लगने वाली सामाग्री, मूर्ति, मोदक, सजावट का सामान के साथ अब ऑनलाइन पंडित जी की भी बुकिंग की जा रही है। कोरोना के चलते ऑनलाइन पंडित जी के साथ वर्चुअल पूजा की भी मांग हो रही है।

महाराष्ट्र के सबसे बड़े पर्व गणेशोत्सव की शुरुआत होने में महज दो दिन बचे हैं। लेकिन लोगों की तैयारी पूरी नहीं हो पा रही है, इसकी सबसे बड़ी वजह कोरोना संक्रमण के कारण बाजार और दुकानों से दूरी है। गणेशोत्सव के दौरान लोगों की जरूरतों को कई मोबाइल ऐप पूरा कर रहे हैं जहां जरूरत की सभी चीजें महज कुछ घंटों में घर पर पहुंचाई जा रही हैं। पूजा सामग्री के साथ पंडित जी यहां मिल रहे हैं। ये पंडित ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से पूजा करा रहे हैं। कई मोबाइल ऐप अपने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन / ऑफलाइन पूजा पैकेज, पंडित बुकिंग सेवा, मंदिर में दर्शन की बुकिंग,गणेश मूर्ति, मोदक, पूजा सामग्री और अंतिम मिनट में गणेश प्रतिमा की बुकिंग कर रहे हैं। इस साल गणेशोत्सव पैकेज में होम डिलिवरी देने पर अधिक ध्यान दिया है। पैकेज में ईको-फ्रेंडली गणेश मूर्तियां, ताजे फूल और गणेश की स्थापना के लिए आवश्यक सभी पूजा सामग्री, ऑनलाइन / ऑफलाइन पुजारी सेवाएं और स्वास्थ्य देखभाल के साथ बनाई गई स्टीम मोदक डीप फ्राई मोदक, मंगोमोदक, काजू मोदक, हेल्दी ड्राई फ्रूट मोदक और विशेष रूप से बनाए गए रागी के मोदक भी उपलब्ध हैं। मोबाइल ऐप माई ओमनमो के संस्थापक मकरंद पाटिल कहते हैं कि इस ऐप में संपूर्ण गणेश पूजा किट में गणपति बप्पा के 68 प्रकार की मूर्तियां हैं। कागज मखर (सजावट के लिए) के 35 अलग-अलग डिजाइन हैं।

पूजा करने वाले ब्राह्मणों के साथ एक पूजा सामग्री किट है।

आसान नहीं स्थानीय आरक्षण

● हेगड़े ने कहा कि रोजगार में स्थानीय लोगों को आरक्षण जन्म स्थान और निवास स्थान के आधार पर दिया जा सकता है लेकिन इनमें पहला कदम जहां असंवैधानिक है वहीं दूसरे को भी भेदभावपूर्ण होने के कारण अदालत में चुनौती दी जा सकती है।

नयी दिल्ली | एजेंसी।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सरकारी नौकरियों में स्थानीय युवाओं को आरक्षण देने के लिए कानून बनाने का वादा जरूर किया है लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम असंवैधानिक होगा और अदालत में नहीं टिकेगा। नीतिगत मामलों के जानकारों का कहना है कि ऐसी नीति देश में एकीकृत श्रम बाजार के निर्माण की प्रक्रिया को भी नुकसान पहुंचाएगी। सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े कहते हैं, पहली नजर में ऐसा कोई भी कानून संविधान के अनुच्छेद 15 का उल्लंघन होगा। अनुच्छेद 15 राज्य द्वारा जाति, धर्म, लिंग, नस्ल और जन्म स्थान के आधार पर नागरिकों में भेद करने को रोकता है। अपनी बात को स्पष्ट करते हुए हेगड़े बताते हैं कि अदालतों ने शिक्षा में आरक्षण को उस समय जायज माना जब राज्य सरकारों ने यह शर्त लगाई कि सरकारी संस्थानों में स्थान सुरक्षित करने के लिए यह आवश्यक होगा कि संबंधित व्यक्ति एक खास स्थान का निवासी हो या उसने राज्य के निर्धारित बोर्ड से परीक्षा पास की हो। यदि रोजगार संबंधी नया कानून कहता है कि सरकारी नौकरियां किसी खास विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण छात्रों को ही दी जाएंगी तब शायद यह बरकरार रहे लेकिन फिर भी इसे कानूनी चुनौतियों का सामना तो करना ही होगा। चौहान ने बुधवार को कहा कि इस आरक्षण के लिए कानून में शीघ्र बदलाव किया जाएगा। इससे पहले स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में उन्होंने कहा था कि स्थानीय युवाओं को कक्षा 10 और 12 की अंकसूची के आधार पर रोजगार देने की व्यवस्था की जाएगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह घोषणा आगामी आम चुनाव को देखते हुए की गई है। 22 विधायकों के 10 मार्च को इस्तीफा देने के बाद नियमतः इन सीटों पर 10 सितंबर तक उपचुनाव हो जाने चाहिए। प्रदेश में दो विधायकों के निधन के बाद कुल 24 सीटों पर उपचुनाव होने हैं। प्रदेश की भाजपा सरकार के 14 मंत्री विधायक तक नहीं हैं। 24 खाली सीटों में से 16 ग्वालियर, मुरैना, भिंड और गुना में हैं जो ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रभाव वाला क्षेत्र है। प्रदेश में कांग्रेस सरकार के गिरने में सिंधिया और उनके समर्थकों की निर्णायक भूमिका रही। कोविड-19 महामारी के कारण यदि उपचुनाव टलते हैं तो चौहान प्रसन्न होंगे। यह संभव है क्योंकि निर्वाचन आयोग, कानून मंत्रालय से चर्चा के बाद देश में कई स्थानों पर चुनाव टाल चुका है। हालांकि मध्य प्रदेश के बारे में उसने अब तक कोई घोषणा नहीं की है। परंतु उसने नए चुनावी प्रोटोकॉल की घोषणा अवश्य की है जिससे यही संकेत निकलता है कि प्रदेश में उपचुनाव समय पर कराए जाएंगे। कुल 230 सदस्यों वाली मध्य प्रदेश विधानसभा में भाजपा के 107 विधायक हैं और पूर्ण बहुमत 116 विधायकों का है। भाजपा को उपचुनाव में कम से कम नौ सीटें हासिल करना आवश्यक है। सार्वजनिक नीति के जानकार भी कहते हैं कि रोजगार में स्थानीय लोगों का आरक्षण का विचार सही नहीं है। यह आत्मनिर्भर भारत के विचार के भी खिलाफ है क्योंकि यह देश को एकीकृत श्रम बाजार नहीं बनने देगा।

2020 की पहली छमाही में 14 प्रतिशत गिरा वैश्विक कारोबार

दिल्ली, विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मुताबिक वस्तुओं के वैश्विक कारोबार की मात्रा 2020 की पहली छमाही में 14 प्रतिशत घटी है और 2020 में कुल मिलाकर गिरावट 13 प्रतिशत रह सकती है। वैश्विक निकाय के गुड्स ट्रेड बैरोमीटर (जीटीबी) ने बुधवार को इस बात की पुष्टि की कि मात्रा के हिसाब से कारोबार साल 2020 की पहली छमाही में तेजी से सिकुड़ा है, लेकिन आने वाले दिनों में कुछ सुधार के भी संकेत हैं और साल के आखिर तक स्थिति कुछ सुधर सकती है। जीटीबी से तात्कालिक सूचनाओं के आधार पर वैश्विक कारोबार के अनुमान मिलते हैं, जो हाल की धारणा पर आधारित होते हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपया 20 पैसा हुआ कमजोर

मुंबई | एजेंसी।

घरेलू शेयर बाजार में गिरावट के चलते रुपया गुरुवार को 20 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 75 रुपये के स्तर से नीचे बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने कोविड-19 की स्थिति को लेकर चिंता जताते हुए अर्थव्यवस्था पर इसके गहरे प्रकोप के संकेत दिए हैं। इसबीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाना वाला डॉलर सूचकांक 0.31 प्रतिशत बढ़कर 93.17 पर था। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि मजबूत डॉलर, कमजोर घरेलू शेयर बाजार और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की टिप्पणी से निवेशकों की भावनाएं कमजोर हुईं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में स्थानीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 75.02 के भाव पर बंद हुई, जो 74.82 के पिछले बंद भाव के मुकाबले 20 पैसे कम है। दिन के कारोबार के दौरान रुपये ने 74.93 के ऊपरी स्तर और 75.05 के निचले स्तर को छुआ। आईएफए ग्लोबल के संस्थापक और सीईओ अभिषेक गोयनका ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की टिप्पणी आने के बाद अमेरिकी डॉलर में जोरदार मजबूती हुई। कच्चा तेल पर असर- इस क्षेत्र को रुपये की कमजोरी से सबसे ज्यादा नुकसान होता है, क्योंकि यह आयात किया जाता है। कच्चे तेल का आयात बिल में बढ़ोतरी होगी और विदेशी मुद्रा ज्यादा खर्च करना होगा। कैपिटल गुड्स और इलेक्ट्रॉनिक सामान- रुपये की मजबूती से इस सेक्टर को भी राहत मिलती क्योंकि रुपये की मजबूती से भारत में सस्ते कैपिटल गुड्स मिलते हैं। वहीं रुपया कमजोर हो तो कैपिटल गुड्स के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र को भी नुकसान , क्योंकि समहगे इलेक्ट्रॉनिक गुड्स आयात किए जा सकेंगे। उर्वरक की कीमत बढ़ेगी- भारत बड़ी मात्रा में जरूरी उर्वरकों और रसायन का आयात करता है। रुपये की कमजोरी से यह भी महंगा होगा। आयात करने वालों को यह अधिक दाम में कम मिलेगा। इससे इस क्षेत्र को सीधानुकसान होगा। वहीं रुपये की कमजोरी का नकारात्मक असर जेम्स एंड ज्वैलरी सेक्टर पर दिखाई देगा। इससे यह महंगा होगा और आयात पर भी इसका असर आएगा। आईटी क्षेत्र- रुपये की कमजोरी से कंपनियों को मिलने वाले काम पर इनकम बढ़ेगी, जिससे उनको फायदा होगा।

कपड़ा क्षेत्र को फायदा- रुपया मजबूत होता है तो इस सेक्टर को निर्यात में काफी नुकसान होता है। वहीं कमजोर होता है तो फायदा। टेक्सटाइल निर्यात में भारत वैश्विक रैंकिंग में फिलहाल दूसरे स्थान पर

गरीबी रेखा से नीचे जाएगी आधी आबादी

नई दिल्ली, विश्व बैंक ने आज कहा कि कोविड-19 के मामले बढने और क्षेत्रीय स्तर पर लॉकडाउन के कारण भारत की अर्थव्यवस्था में 3.2 प्रतिशत से ज्यादा संकुचन आ सकता है, जिसका अनुमान पहले लगाया गया था। साथ ही चीन से निकलने की फिराक में लगी फर्मों को आकर्षित करने के लिए शुल्क नीति के इस्तेमाल को लेकर भी सावधानी बरतने की सलाह दी है। अपनी रिपोर्ट इंडिया डेवलपमेंट अपडेट 2020 में विश्व बैंक ने कर्ज के जोखिम को लेकर चेतावनी दी है। बैंक ने कहा है कि अर्थव्यवस्था सुस्त होने पर फर्मों व परिवारों को ब्याज और पुनर्भुगतान की बाध्यताएं पूरी करने में दिक्कत आ सकती है। इसमें सुझाव दिया गया है कि बाजार की स्थिति में सुधार होने पर कुछ सरकारी बैंकों के पूर्ण निजीकरण और निजी पूंजी डालने सहित कुछ अन्य कदम उठाए जाने चाहिए। इसमें कहा गया है कि तब तक नई सूचनाएं भी शामिल हो जाएंगी। खासकर कोरोनावायरस के रोज के आंकड़े बढ़ रहे हैं और इसके कारण कुछ राज्यों और जिलों में फिर से लॉकडाउन किया जा रहा है। साथ ही सूचकों से पता चलता है कि अर्थव्यवस्था अभी आधार स्तर से ऊपर नहीं पहुंची है। वित्त वर्ष 2020-21 में भारत की अर्थव्यवस्था में संकुचन को लेकर विभिन्न एजेंसियों व अर्थशास्त्रियों ने अलग अलग आंकड़े पेश किए हैं। पूर्व मुख्य सांख्यिकीविद प्रणव सेन ने 12.5 प्रतिशत, इक्रा ने 9.5 प्रतिशत, इंडिया रेटिंग ने 5.3 प्रतिशत संकुचन का अनुमान लगाया है। बैंक जब अक्टूबर में भारत की अर्थव्यवस्था के पुनरीक्षित अनुमान पेश करेगा, जीडीपी के पहली तिमाही के आधिकारिक आंकड़े मौजूद होंगे। लेकिन दूसरी तिमाही के सभी प्रमुख संकेतक जारी नहीं हुए होंगे।

जियो का 349 रुपये का प्लान, 84 जी.बी डेटा के साथ मिलेंगे ये फायदे

नई दिल्ली, कोरोनाकाल में जब ज्यादातर लोग घर में रह रहे हैं और जरूरी काम पर ही घर से बाहर निकल रहे हैं। घर में रहकर

वर्क फ्रॉम होम करने के अलावा ऑनलाइन फिल्में, सीरीज और सीरियल देख रहे हैं। ऐसे ही लोगों के लिए टेलिकॉम कंपनियां सस्ते ज्यादा जीबी डेटा वाले प्लान ऑफर कर रही हैं। रिलायंस जियो और एयरटेल के ऐसे ही ज्यादा जीबी डेटा वाले सस्ते प्लान हैं। जियो के 349 रुपये वाले प्लान में रोजाना 3 जीबी डेटा मिलेगा। इस प्लान में ग्राहकों को कुल 84 जीबी का डेटा मिलेगा। हर रोज मिलने वाले 3 जीबी डेटा को इस्तेमाल करने के बाद स्पीड 64 केबीपीएस हो जाएगी। इसमें अनलिमिटेड कॉल, 100 एसएमएस फ्री और जियो ऐप्स का सब्सक्रिप्शन मुफ्त मिलेगा। हालांकि, इस प्लान की वैलिडिटी 28 दिन की है। एयरटेल भी 349 रुपये का प्लान ऑफर कर रहा है। हालांकि, इसमें मिलने वाले फायदे जियो की तुलना में थोड़े कम है। इस प्लान के तहत ग्राहकों को 2 जीबी डेटा मिल रहा है, जबकि जियो में 3 जीबी डेटा ऑफर किया जा रहा है। एयरटेल 349 रुपये के डेटा प्लान में 100 एसएमएस और अनलिमिटेड कॉलिंग की सुविधा दे रहा है। इसके अलावा अमेजन प्राइम और एयरटेल एक्स्ट्रीम का सब्सक्रिप्शन भी दे रहा है। इस प्लान की वैलिडिटी भी 28 दिन की है।

सोना अपने उच्चतम स्तर से 3807 रुपये सस्ता, चांदी हुई 8860 रुपये कमजोर

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा बाजार में सोने का हाजिर भाव अपने उच्चतम स्तर से 3807 रुपये प्रति 10 ग्राम तक फिसल चुका है। सात अगस्त को सोना 56126 रुपये पर बंद हुआ था। इस दिन सुबह यह ऑलटाइम हाई रिकॉर्ड स्थापित करते हुए 56254 रुपये पर खुला था। तब से कई उतार-चढ़ाव देखने के बाद सोना आज यानि गुरुवार 20 अगस्त तक 3807 रुपये सस्ता होकर 52319 पर बंद हुआ। जहां तक चांदी की बात है तो इस दौरान चांदी 8860 रुपये प्रति किलोग्राम कमजोर हुई। सात अगस्त को चांदी 75013 रुपये प्रति किलोग्राम के रेट से बंद हुई थी, वहीं 20 अगस्त को यह 66153 पर बंद हुई। अगस्त के पहले कारोबारी सप्ताह में सोना 2302 रुपये उछला और चांदी ने लगाई 10243 रुपये की छलांग अगस्त के पहले कारोबारी सप्ताह में सोने की चमक जहां बढ़ी तो चांदी और ज्यादा मजबूत हुई। कोरोना के बढ़ते मामले और शेयर बाजारों में अनिश्चितता के बीच दोनों कीमती धातुओं ने अपनी चमक बिखेरी। 3 अगस्त को सोना 53976 रुपये प्रति 10 ग्राम पर एक नए रिकॉर्ड के साथ बंद हुआ और इस सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस शुक्रवार यानि सात अगस्त को सर्वोच्च शिखर पर जा पहुंचा। सोने का हाजिर भाव इस दिन 56126 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। जहां तक चांदी की बात है तो इसका हाजिर भाव इस दौरान 64770 रुपये से 75013 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गया। अगस्त के दूसरे कारोबारी सप्ताह यानि 10 से 14 अगस्त के बीच दोनों धातुओं ने अपनी चमक खो दी। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच रूस द्वारा वैक्सीन लॉन्च करने की खबर के बाद दुनिया भर के निवेशकों का रुझान सोने-चांदी से हटा और मुनाफावसूली के चलते दोनों धातुओं ने पहले हफ्ते की बढ़त गंवा दी। 10 अगस्त को सोने का हाजिर भाव 55515 रुपये प्रति 10 ग्राम था जो 17 अगस्त तक आते-आते 2641 रुपये गिरकर 52874 रुपये रह गया। वहीं चांदी 5840 रुपये कीका झटका सहकर 67768 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। रूस द्वारा कोरोना वायरस के वैक्सीन की घोषणा के बाद डब्ल्यूएचओ द्वारा सवाल उठाने और डॉलर की साख में सुधार की वजह से सोने के रेट में इस सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। इस सप्ताह 20 अगस्त तक सोना 5550रुपये तक सस्ता हो चुका है, जबकि चांदी करीब 1881 रुपये टूट चुकी है।

गरीब विीय रूप से ज्यादा सतर्क, मॉरेटोरियम की जरूरत नहीं

मुंबई | एजेंसी।

● एमफिन के सीईओ मिश्र की शिकायत थी कि स्थानीय स्तर पर निहित स्वार्थ वाले लोग और शरारती तत्व लोगों को यह कहकर बहका रहे हैं कि किस्त नहीं चुकाने पर कर्ज माफ कर दिया जाएगा।

आर्थिक गतिविधियों की रफ्तार बढने के साथ ही लघु वित्त बैंक यानी स्मॉल फाइनैंस बैंक (एसएफबी) के पास कर्ज की किस्तें तेजी से आने लगी हैं। इन बैंकों से कर्ज लेने वाले ज्यादातर लोग आर्थिक दृष्टि से समाज के सबसे निचले तबके से आते हैं। वे लोग खुद ही कर्ज चुका रहे हैं ताकि रकम हाथ में रहते हुए भी बेजा कर्ज न बढ़ जाए। बिजनसे स्टैंडर्ड की वित्तीय वेबिनार शृंखला अनलॉक बीएफएसआई 2.0 की आज की कड़ी में देश के शीर्ष एसएफबी के मुखिया अपने कारोबार को लेकर काफी आश्वस्त दिखे। हालांकि उनसे लिए गए कर्ज के करीब 90 फीसदी हिस्से की अदायगी मॉरेटोरियम की वजह से मार्च से ही थम गई थी। मगर जुलाई आते-आते उसमें से आधे कर्ज की अदायगी शुरू हो गई थी और इन बैंकों को उम्मीद है कि अगस्त में मॉरेटोरियम खत्म होने के बाद उनका कारोबार पहले की तरह हो जाएगा और किस्तें आने लगेंगी। यह बात अलग है कि अगले कई महीनों तक इन बैंकों का जोर भी किस्तें वसूलने पर ही रहेगा। वेबिनार में माइक्रोफाइनैंस इंस्टीट्यूशन्स नेटवर्क (एमफिन) के मुख्य कार्य अधिकारी आलोक मिश्र, उज्जीवन एसएफबी के प्रमुख नितिन चुघ, इक्विटास एसएफबी के मुखिया पीएन वासुदेवन, जन एसएफबी के प्रमुख अजय कंवल, एयू स्मॉल फाइनैंस बैंक के मुखिया संजय अग्रवाल और सूयेदय एसएफबी के प्रमुख आर भास्कर बाबू बतौर पैनलिस्ट आए थे। सभी का कहना था कि इस दौरान सबसे अच्छी बात यही लगी कि बैंकों के कहने पर भी लोग ज्यादा कर्ज लेने के लिए तैयार नहीं हैं। इससे पता चलता है कि गरीब तबका कर्ज को लेकर कितना सतर्क और अनुशासित रहता है। एसएफबी भी अपने कर्जदारों पर दबाव नहीं डाल रहे हैं। वासुदेवन ने कहा, इस वक्त ग्राहकों को सहारे की जरूरत है, कर्ज चुकाने का दबाव उन पर नहीं होना चाहिए। हमारा और उनका रिश्ता केवल जुलाई-अगस्त के लिए नहीं है। हमारे ग्राहक तीन, चार, पांच साल तक हमारे साथ जुड़े रहेंगे। अगर ग्राहक की कमाई बंद हो गई है तो उसके साथ बात कर उसका दुख बांटना मुझे अच्छा लगेगा। लॉकडाउन शुरू होने के बाद वासुदेवन के इक्विटास स्मॉल फाइनैंस बैंक का करीब 90 फीसदी कर्ज मॉरेटोरियम की जद में आ गया था। लेकिन अब केवल 43 फीसदी कर्ज पर मॉरेटोरियम रह गया है। अलबत्ता सभी की राय यही थी कि मॉरेटोरियम बढ़ाने की कोई जरूरत नहीं है। सूर्योदय स्मॉल फाइनैंस बैंक के भास्कर बाबू ने कहा, मॉरेटोरियम की जरूरत रह नहीं गई। जितना हो गया वही काफी है।

कंचन उजाला हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए प्रकाशन, मुद्रक व संपादक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।